वर् नवस्त्राजीर्ज्ञकोष्ठाविस्युगर्हिनकार मधीर् श्रीकृषाचि हरिशश्रद्रविश्ववानावृतिद्राधान्त्रकमा सन्द নাৰ্থনা কুলাজাবিভাপব্লিকোনাৎ প্ৰকাৰাব্ৰেবেনাল্যভিত क्षक्रवितः अवस्त्रितः विविधानात्रवन्त्राक्षेत्रस्था स्तर् विकासार सक्तारक्याचिरशायाधीयार सर्वतार्श्विया क জ্বেকে প্রাহ্মপর্যাহিতি ফুর্কবি। প্রাহ্মপর্যাৎ বিভাগে-💼 সর্বাবেরসক্ষিত্র । আনুমান্ত্রীর সমারোপ্য ব্রাণ का शहरकम्पाविकापिकविक्रुक्तवार्थः अहिकास পরিব্রহ্মত সম্মান্ত পর্যাতির মার্থ্য। শহাতিবৎ সম্মানো-नारक्षकामासूरककामरमाध्युपुन्धवृत्येतः वर्षात स्वतः क्षामान क्षाचा परतन स्थारमध्यक व्यक्तवानकः। व्यक्ताव्यविकातम् विकिशांचीः वद्यामध्यानामध्यमः सहस-আছে। এরবের লোকমিক্সকঃ প্রস্থাবিকা প্রস্তৃত্বি । পু-ইয়াববাৰাক্তবিহিত্তৰাৰাক লোকৈখবাৰাক ব্যুখাধাৰ কি আর্থাৎচর্ত্তি ভাষি বা একানি অবরাণি ছপাৎলি স্যার-अहापारहरूतिकांशांशः। युवयभ् रेजक्रमानिविरशहर वा५ महारमधारिशक्तवि । का५ महावेदिहारवाक महारक न्तंकर्मनाः । व्यर्थना सूत्राः श्रीष्ट्रवित कत्रात् अधना स्थान

क्षुचीवकः। अर्थमा वर्शनि प्रया व्यक्त आकान कार्यान हुवः क्रिशाकाः । अनुविभक्तरभाषात्रास्यानः नवशनस्य ७५३ ७५१९ काम९ शृहक्ता महारम्बिह दृष्टिमानिकाः माध्य मारक शृह्यसमादकनानिकात मङ्ग्यूकवि-द्याधि इ उपनास्त्रकः विभविकः द्यविकि। क्रमाप्तिकानुवाः, द्ववाद्यविद्याद्य क्रियमात्र विकासेशानु-नाजात्माविकानि कर्म क्रम्युकावनिरकः वाशास्त्रवाधः, কার্মবিভিপ্ততিক্রমা খেবাঝার্থবির্ণবাশকের কর্মানাৎ বিচার বিনে:ভিজাৎ নদলোভয়েয়ামনুক্তকনালকর্বভারত আলী ক্যাছনি বিচার্যালয়ে ক্রমধানায়ালাবিশিক্টার প্রবিশ-काशीरमध् कार्यचिकारहान विक्रशास स्वाचिकाश्रया কর্মানি ন ভারুব্যাবি, কুম কন্মাক্ষতিপুরিন্যাবৈর্যক্ষা-माल्डमा का महान्या कर्षकाच्या शाला वर्षेनवृद्धितिकि कार्वतः भीदकामाधिकाविन्यसः वारानवासमाकामा त्याकार्वाविष्टमः। अवनावाचित्रावानिन्यवाधनवानि व्यवस्थाः । व्यवस्थानशास्त्रम् श्रीकृतस्थाः श्रीकृतस्थाः वयत हुक्क्वारिय । अवनावानुबंदर्शविषद्यानिविषादय. शुक्रः भू बरामगृरा!सर्थित्र<u>५ सुरास्त्र</u>हालि **भार**वासम्मू<del>क्रमधाः</del> सवर्थाः योगस्थानित्रयानार्थान क्रियमयाधिक्ष्यस्थानाः लविभादम । वचराव्याकार कोलीवर लविश्वसारक्यार विज्ञातिकि महाम्बारमकाविक्या महत्वोशीमाधाकि-রিজনা বিনা প্রতিপ্রদরশাস্ত্র লাগুলানুপলবেরিছার্যা ও সমাধিকৈটার। বংশকর্মানিতি বাবে। বসুকেরাভা-নীজ্যাবিপদাৎ স্বাধীতিহাসপুরাধানাৎ প্রমঃ বিস্বাস্থীয়-হিত্তহে নামারেতি কর্মাছিলারেত্ব বিশ্ববাদ্ধিত বৃদ্ধি मध्यारमञ्जूषे ।

श्रावतद्वेतक\मानकि। पुतुष्कातिकि। सारको

ति वियोगिवस्यवियास्य भ्यार्थान् भाष्यसम्बद्धाः । यदि-हरेची त्रारक्षा ३४६१६ वृद्धकृत्वविद्यार्थः। अनु येग रोने अनुशास्त्र कार्यारमध्या कवि शिकाः। अन्य वरकान्-द्रकाश्वर क्षेत्रि कटकः अधिकाशिक्युक्ता द्रशाकाशिका-हुर अवशिष्या परिकाहितिस्पवनविकि १६५, शामध्याक নুবাস্থবিদ্বেশ্বামানত কামজায়বভিগ্ৰাম ফডিন क्षाचीवाचीवाच्याक्षाक्षात् । व्यवावायवादेश-व्यक्तिकारिकायः हालगायरिकारस्याप्रधानमाच-নামকোনাকারকার গুলাকিরি বিব্যাধিকারিক শহাদিলা-র্থমধনের ফারিৎ প্রমানয়তি। পার্যোরার উপরক্ষারি ভিত্ন নুৱাবিভোত্মনান্ত ন্যেহাল্যানৎ পলোমিতি নালাঃ পটডি লবাবিত্বইতালা ভাবেলভাবিতো বুজেতি বাধ্যক্ষিমাই ভ-দুক্তর লাঠাবুরে চেম্বরে পেন্স লার নাগরা জিত্যের শ্রাক্ত वर्षे विविधारित क्षेत्रार । नवादमविशादश्चार पद-বানপাার বোগারক্ষা কলৈব শব্দ কারণমূচাক। আশা-क्षेत्रा कृषः कृषः । जना यता संरवहरण्यातः कृष्णीत्याः वीर मजनाः विञ्चितानीञ्चित्राद्यंकाक्षमाञ्चका श्रविविका ইতি। সর্বাহ্মান পরিভাষা মামেড্ পর্বন্তকেছি। গারাল্যশীর ভৌরের শীরোজসূত্রপুরবারী আলমালা-ইবোনিয়াখা। বিভিন্নৰ ভারতীতি। স্বাধার্যনা-वृक्षित्रः प्रदेशस्य प्रस्थाप्रध्य प्रति बृक्षिः सिरवन्यविधः। शिक्षावेग्रावरक <u>कांत्र५ वर्रभातः गर्</u>तरकश्चिमा । **भा**वन ব্যবাসক সংশ্বাস্থা বিষ্ণারীতি হ। সুসূত্রশাল সু কুর্বৈ পর্বহৎপ্রপল্যে। রয়ঃ পর্য রমপরিয়ার্গিরহাৎ वृश्चित् तदा व विवर्धेरय सुधाः । ब्रद्धाय प्राप्ताः भूत র্ণমে। বরুঃ প্রবৃত্তি প্রসৃত্ত। প্রাথতি কুরি।

ত্রশং বিলোধপরি শিক্ষণ বেশালাখিকরিটি নির্মানির 
ক্রাথিগতিমুকনা বচনমুনালরতি। উক্তকপ্রশাবেতি। ত্র
শাবাহিনার শাধার কিলেপ্রিলার নারাব প্রচীনবোরার বিভারতিমার শাধার করেন্দ্রলারিবে ক্রামনিরিভবর্জনপুর্
ভালরং নির্মানানুধাননবেন্দ্রপ্রচিতে মুধাবিতার বিলেপ্রাক্রমানালরতিতি ভিজ্ঞানমাধানবুকার পরীয় উল্লেখ্য 
গারাব প্রচালকে করমুতার মুধুক্তরে প্রচালক্রামণ সভাষ্ঠ্য
বিল্লাল কেল্ডিভি ক্রোকার্থার

ব্যবেশপিনটোলুবলোনিয়লিয়ে। ইয়ানী বিজ্ঞানুর কুং বাললিক্ষি। বিজ্ঞানীতিঃ

ক্ষীরপীরবর পরস্থার বিভিন্ন বাং সধানাবিভার ক্ষিত্র ক্ষানাবিভার ক্ষিত্র ক্ষানাবিভার বিভিন্ন বাং ক্ষানাবিভার বিভাগ বিভাগ বাং ক্ষানাবিভার বিভাগ বিভাগ বাং ক্ষানাবিভার বিভাগ বাং ক্ষানাবিভার বিভাগ বাংকার বিভাগ বাংকার বিভাগ বাংকার বাংকার বিভাগ বাংকার বা

वन् वनः चंदरेउदयामा दिराविद्ययंकः दारदाक्षः
वित दिरावाः वः चळ्याणः वःद्यदारकानवदेवाण्याः
वद्यम्बद्धावामाः। व्यव्याणः वःद्यदारकानवदेवाण्याः
वद्यम्बद्धावामाः। व्यव्याणः वर्षाद्यम् व्यव्याव्याः
व्यव्यावितः अद्यव्याः कार्यकः। व्यदः वर्षाः व्यव्यावितः अद्यव्यादः।
व्यव्यावितः अद्यव्याः कार्यकः। व्यदः वर्षाः वर्षः वर्षाः वर्षः वर्षाः व

মনু প্রথানাধীনাথলি কলিকজানাথানিক্বিলিকানাৎ বেলাবানাক্তিব্যক্তাৎ কথা বিভাইক্তনান বিশ্বক্তাৎ কীউনবিলি কতার । কবৈবেলি । উপত্রকোথাণ্য বাহানিভিন্নি কৈকেলাককাৎপর্কে নির্পানাণে প্রভাক্ ব্যক্তন ব্রক্তনাক্তাইন্যান্তর্শনাথ প্রথানানিপু চার্ক্তনাথ কুলিক বেলাকানাৎনিকবোন প্রথানানিক্তিকার্থই কথাট কবিক্তা কুলিকত্বের বেলাকিকে।

কৃষ্টিগৰনুবৰবাৰ। সংক্ৰিছি। উলৈকাং প্ৰক্ৰাকু ব্ৰহ্মণাৱৈকাং বজ বং প্ৰবেশতেকি কথা কলোকি বিপ্ৰ-ক্লো নৰু কথা কথোকপ্ৰানেবল্যালবিকৎপ্ৰদানবোধা-ক্লো নিউপ্ৰতে কথিন পৰিপোচনকাবেধানিবিকে। প্ৰান্তবৰ্গালৱাৰ। ব্ৰহ্মণানুপ্ৰবিভিত্তি কেও। ক্লোক্লাপানৱাৰ। ব্ৰহ্মণানুপ্ৰক্ৰিভিত্তি কেও। ক্লোক্লাপানৱাৰ। ব্ৰহ্মণান্তবাৰ্গালুক্লাক্লিভিত্তি কেও। ক্লোক্লাপানৱাৰ ভাগ প্ৰথমি । প্ৰান্ত বিভাগ নিৰ্মাণ কৰিব । কৰিব প্ৰান্ত বিভাগ নিৰ্মাণ কৰিব নিৰ্মাণ নিৰ্

সাধা প্রকীনেতি। বিভাগপর্যালাক্ষর্যাটিকংবাণ্ড-ব্যাটঃ প্রবীধনিরাঃ। শিশিরগুরুস্থুরক্ষলপরিপূর্ণেক। ব্যবহাকসরাশিঃ ।

विक्रणानि त्या इस्तार दावार वश्यि का स्वाधिकार केण्यात्रणानिहितः केण्यातः वैनाय-स्थातिकार क्ष्यात्रणानिहितः केण्यातः वैनाय-स्थातिकार क्ष्यत्वाद्यात्रणात्रकार क्ष्याव्यविक्षयः क्षाधिकार क्ष्यत्वाद्यात्रकार क्ष्याविक्षयः क्षाधिकार क्ष्यत्वाद्याः क्षाधिकार्यक्षयः क्ष्यत्वाद्याः क्ष्याक्षयः क्ष्यत्वाद्याक्षयः क्षित्रच्यात्रकार्यः क्ष्यविक्षयः व्यक्षित्वकार्याः क्षित्रच्यात्रकार्यः क्ष्यविक्षयः क्ष्यत्विकार्यः विक्षयाः

উক্লবিধিনা বংগাক্তব্যুলসর্পন-বিদ্যাধিনাৰশ্যৎ, কর্মব্যক্তির প্রকাশবাহ । সমিদিতি । স্বিশ্বব্যেত্ত-ক্রেব্যুক্তবিদ্ধানি বিশ্বুক্তব্যুক্ত

শিয়েগুলনরমন্তর্থ করোরপরেশক্রমৎ বর্ণবার্তি।
বল্যরুরেভি
কর্ত্তর্ভালিক পর্যকৃপালু। প্রপানবর্ত্তর্থন
শ্রমানকর্ত্তর ক্যতিপ্রকাশনগ্রন্তিক। বন্ধুক্রমানুত্তিক
ক্রমেন্ত্রিক ম্যালুক্তর্পধ্র বিবেশক্ষর্ভাতিক বি

উল্লেখ্যালিকাৎ করিং পটারি। কথাইরি। কথা বাচন প্রোরাচ। যবেশারে অমানদীর ভয়স্টেইৎ ফ্র বাচনিক্রানিক্রাবর্ত্তাবিশ্বার্থ্য।

् चतारहानः नवृक्षेत्रः सम्बद्धः चन्दर्गवः प्रकृ सर्वत्रद्धारिक्षासम्बद्धारहासम्बद्धाः अध्यक्षितृक्यः अवत्य अवित्यतारणाष्ट्रीः वेक्क क्रिशारेकीः भरणायः कण्णासम्बद्धस्य । द्वारायक्षण्य व्यवस्थितः स्थान वृद्धस्य । वेद्याद्ध व्यवस्थितः स्थान वृद्धस्य । वेद्याद्धस्य व्यवस्थितः स्थान वृद्धस्य । व्यवस्थितः क्ष्यत्य । व्यवस्थितः व्यवस्थितः । व्यवस्थितः क्ष्यत्य । व्यवस्थितः व्यवस्थितः । व्यवस्थितः विवस्थितः विवस्य विवस्थितः विवस्य विवस्थितः विवस्य विवस्य

व्यवस्थी अध्यक्ष वस्त्री । वृद्धशावित्रा । वृद्धस्थान वस्त्री क्षेत्रमा स्थानिक वस्त्री क्षेत्रमा क्ष्याच्या कर्मुस्ता कर्मुस्ता क्ष्याच्या कर्मुस्ता कर्य कर्मुस्ता कर्मुस्ता कर्मुस्ता कर्मुस्ता कर्मुस्ता कर्मुस्ता कर

শানি শুনারের স্বারম্ভর নার্যান্তর বিবাজানিতি কোণিত্রেরণ হৈ নির্মান ক্রিক্তর ক্রিক্তরের প্রিক্তরের শ্রাক্তরিক ক্রিক্তরের শ্রাক্তরের ক্রিক্তরের ক্রিক্তরের ক্রেক্তরের ক্রেক্তরের

অভানৎ বৃহৎপাদলতি। অভানবিদ্ধতি। ভূপকে। দ্বাধ্যেকোটবৈশিকীলোভনাৰ্থঃ।

चर्मार विरामित वर्गाति । मनमद्वाविता । वार्मित्वाधिकामित्वाधिकामित्वाधिकामित्वाधिक । वार्मित्वाधिकामित्वाधिकामित्वाधिक । वार्मित्वाधिकामित्वाधिक । वार्मित्वाधिक । विद्याधिक । वार्मित्वाधिक । वार्मि

जिल्हाम क्रांनाभरमाकामाकामकामानवर्षे । शासका वमा ह श्रीकिरमासाध्याध्यात्राविरमाधिमध्यम्भरमामाध्या-কারাৎ সভস্থলয়ঃ প্রবিশোগী কন্যবিদ্পনোদকঃ সমুসতি অধ্যান হগোরভিব্যাপ্তিঃ নদু জানদ্যাপি আনোহপ্ क्रिमाबुद्दीयकण्या निमानाध्ययभाव कर्वत सामानद्वामाध्य-बिक्ट दक्त म. कारमाय श्रवासभावत दिलकाकावाकिलाएक्या-ভারেরাশনা ভারেৎপরিবাসুর্বিকর্মা বিরামালকার-कार कामानद्वाकाकाविविद्यक कार्यायनकामध्य दि-कार्यकारां किल्लाहरू को नामा पहार कारमा भाविमा बही के काराध्यपुरक्षेत्राक्षणकाः । काराकाराणान् क्रकाक्षण সম্ভাবাদুপপ্রেরিভাবি প্রাথভারারৈব্যাদ্র প্রার্থেটি। নম্পত্নাহনিপ্রাচারিভালতে লক্ষণ । অভালি শৃক্ত ताराशियाच्यानिशृष्टिशालानुक्रियाः स्वयमद्वार चका-वर्षा मरका विवाधिक दोशायावधानम् । समस्या इ स्थाः ৰু নাছিত্ৰপ্তৱাকপ্ৰতিভালানুপ্পত্তে তাখপ্ৰতীত্নালা-আবে প্রনিত্রভামত্তা ওল্যানির্বাচনীয়ভা সমস্ভালত त्यांत्रकृष्यमध् श्रेषीयामधीकृषाः विधान्यांत्रकृष्यानाः चात्याकः स्रायसम्बद्धानामा किर्द्धानामा विकास स्थापन विकासी स्थापन

বিধ্যাক্ষাক্ষাক্ষ বিশেষ ক্ষাত্তি প্ৰকাশ কৰ্মাতি।
বিশ্বনাক্ষ বিশ্বি বিশ্বনাক্ষিত ক্ষাত্তি ক্যাত্তি ক্ষাত্তি ক্

भीड सेवया संबदकानुभागत्वर्वविभागानककार्वविभागाः। munutatematafafa une fagerfa : utaum विकि । व्यवस्थाः व्यवस्थान्त्राविद्यापि वस्थानः वद कि. वाक्टिक्कार मान, मानी (क्टब्क्गांक्कटक्क्नांने) minmelfern, forigerengfut, femtenn et ned-हर्ष विकास हो है। विकास मध्यम बुद्धा समाध. अध्या-WHELL BUILDING S WHARP TOCHTOMOCY MINERALL वजादकामाकामधारिदकाची रूमा मिकाकाच, विकीशन साम-नक्त्योलडाविक्टकान क्यकायमा चनारकाश्यामकारमा-লাক্ত বেল বা পশাকীৰসকলা প্ৰকাৰেণ্ড প্ৰজাৱন Manta maiteraterin teiten graffmanteret. क्राक्टेड्डनारमध्येत्रमः उक्ताविदानुक्तदिनदिनायमा मध्योदसाय । माञ्चालकवाशिकाहबोलधादिकदश्च वी-जीवशादकानि स वृक्षाकारवाधकां तथः वृक्षाकारकम वृक्षा-नात्रावद्विक्रभावदात्रमात्रीमात्राविकाभाव । अदः न् काबद्वर लविभिनादक करतकर रक्तरार आमिविटलको-ভার-ব্যায়ানৎ স্থানসামান্যাভারোদলি বেরি ে নাল্যো-वृद्धाः हरः व किक्किकाराधीयानुधिविकशिष्टविद्यप्रमान প্রভানস্থার্ভবাৎ ৷ ব্যক্তরাপি বিদ্যুহিংশ্বপর্ববেশা-হিল্প কণপাতে ইতি বাচাৎ বিনামুপপুৰিৎ নামানাযু-त्वसिंदणवासप्तरका नामानामृत्वसिंदवाशश्चनम्। व-वृद्धिके विकास विकास विकास का 电流经常操作 用作 电相体 电流时间间的电流电池电池 gifmetebis eine Ga stutemant ufwerfacut-विकासमीर अक्या कवि अधिक आहम ह शाहित्या शिक्षी বিজ্ঞানখালে ভাষিত্রবাস্থান কর্ম জানাভারপুরত, স্থা-पादक्षांद्रदर्शान्यताल्यांवया एक दश्चात्रपाद । वर्गावांक

विश्वानत्योद्वाणि कर्यः चन्नाकायपुरुः काङ्ग्याचायाः । य-ন্ত্ৰ্যাৎ নামানাব্যস্ত্ৰপি বিশেষাপদ্ধক্ষৎ কল্পান্ত কল वर्षेत्रकाणि कृत्रात चर्णामावीकि द्वाक्रविविक्रक्रक्रीकाव-'বিষয়ক্ষ' ভর্মজালি সামান্যাভারন্য বর্গজন্ধি প্রতি-त्याधिन काविएकाधामाञ्चात विकारणादन पविषयुग्न गरह-विकित्विकारश्रीति हरकार्धावरियम्बाधावरिकारका छन wite te cu wettergerent matentenen. देशाय कण्णवीवच्याकः असि मुद्रशक्षकः नावाजाः क्रिकि-वृत्ति व कामापीकानुष्टर विकिथियसम्बद्धस्तिकारण्यः ब्रह्मानाचार्यादयसम्बद्धाः वर्षामातः अवश्वीवदः कृष्टमः व कार्रान परिवासीकि श्रदात क्रोनियामा क्रवार्यक-ध्येषः । वयश्चनिक्षणायाकृष्णभावतुरः श्चनिक्षणायातः हेनार एवा कवक्रियांन चावासद्द्ववित्रस्थावन्यस्थिति तार चात्रावाणीयाणावाव, त्यराप्रताकः वयरेवनित् pin, ninim eiglafufus mianimienidigermen. भागवासकाम् भागान्यकात् । अनिश्वकारः । वर्षाक्षाकाः (साक्ष्मानः, किन्नु कारासुब्दशस्त्रक्ति ।

सन् वाश्ववा नाशांत्रमान् नावस्ता व्यवस्था विद्यान व्यवस्था विद्यान व्यवस्था विद्यान व्यवस्था व्यवस्यस्य व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्यस्य व्यवस्था व्यवस्यस्य व्

ইয়ানীৎ বর্গনির্ভাগ্তরকান্ত্রের নার্গতি বিষয়বাহৎ
ক্রিটিলেগনিক ব্যান্ত্রকান প্রান্ত্রিক ক্রিয়ান্ত্রকান প্রান্ত্রিকার ক্রিটিলেগনিক ব্যান্ত্রকান প্রান্ত্রিকার ক্রিটিলেগনিক ক

ব্ৰজনাতিকাস্থানকেন প্ৰকাশকেন চাতি প্ৰথমিক বিধান ব্যৱহাৰপুঞ্চলকানতে মতি নাজি সংগ্ৰহণক্ষীত কৰিপন্ধ ব্যৱহাৰকান্দ্ৰনাত্ৰণকান্ত্ৰেণ্ডাপ্ৰপাৰিছে। সোক্ষান্ত্ৰ বিভাগিনা আন্তৰাকান্ত্ৰানাৰ জনপাৰিখানানুপ্ৰতি স্থানিক কেন্ত্ৰাপাপ্তিমাককান্ত্ৰেণ সমুজীবতে।

मयकोट्यणाः, हेट्युवासां विशिष्ठ स्वाधिक विकास ।
वाद्या विद्या विद्यार निर्देश कर स्वाधिक विकास ।
वाद्या विद्यार विद्यार निर्देश कर स्वाधिक वीकास ।
वाद्या विद्यार विद्यार निर्देश कर स्वाधिक निर्देश विद्यार ।
विद्यार कर्याणां निर्देश कर विद्यार विद्यार निर्देश कर विद्यार कर विद्यार

वास्त्र वृक्षेत्रिक्षणभाविष्ठवृष्णक्षेत्रसः । "स्वाही-व्याविष्ठः। भृतपद्धः विभवः भृतपद्धः वृक्ष्णाः भृतकः । भृत्रो कृषाः भृतः भृत्रवणाविष्यः, इत्यः क्ष्मः शिक्षः-द्याकावस्यवाद्याविष्ठः। इत्यः व्यवस्यक्षेत्रः प्रविद्यः । द्विष्ठाः कीद्यव्यवस्यः चक्रवेति वद्यवद्यम्भावस्य पृक्षेतः । वद्याकावस्यविष्ठः । वक्ष्यविष्ठः वद्यवद्यम्भावस्य पृक्षेतिः । श्वादवाद्यावस्य । अस्ताद्याद्यकाद्यक्ष्याविष्यवद्यावस्य ।

a fedenteminimute, unife Mainfagial ्या कत्र। किरविवयविद्यास्त्रविवयनारम्बद्धाः <del>प्राप्त</del> विज्ञालकात्रावक्षीति शक्तिक्य मकार, क्या व कीवासः urm allemiamienministrucie, fecumbemte de काममामारायकिमिका,स्विमिको र शेरकमिकिमिकिका ब्रांट्यानाथ्यकः वयवाधिकाय्यावकीवकावस्यानानीः व्यक्तद्वादनानातामध्यिक्षकि दहर देवपूर अधवादादनकरीयाः । कृष्यार्थिनस्टनकामध्यक्षीयवाक्षीयाः नदक अस्तावायाः । वय महारमेश्वा क्यामन्यद्वाधर्शक, ब्रद्यक विवसायिक थुनकः क्रवादशक् क्रामीकिशाविकविकाः मृत्रुनिशानकः (बार्करितमा लहामारे प्रकारता लिखानता । जुन्म हारवामा-र्वदवाक्षीनकामा लटक हर बाहामा मध्याक क्षमा है विकासदबटकार নংজ্যারক্লাসাংজ্যানল্যালি কর্ণায়াবজ্ঞাৎ কর্ণা ন বীজান বুকুলারঃ প্রায়ানিকটাতি চেৎ বংকিবিদারীং সুবুধ্যাদি-केंद्रल कीवना कीवकार माम्रीति विश्वक्रियर, एव कर्षि **ुद्धमानाकृष्ठाळालियधेनामायुक्तामायनि** न**्न**रनाविकाद्यपः क्ष वृक्षाहर अञ्चलिक्षणाच्या विक भूजुन्तराश्चरकारम् सारत क्या नुव्याचित्रस्य अभरमाक्ष्मदार्थः मृत्याकारः अन्तर्कत कुष्णान्यम् । वरेष् वार्ष्णावामिश्रकारवद्यामिनकारम् । विवासार प्रधानक विद्यानक राज्य समय समय । व्यवस्थान वक्षीतरमाः बक्रान्देश्यामाधिकमा साम्राक्षिकातम्। निहा-विक्रमात्राकाममध्य वर्ष प्रति स व्यक्तमात्रातः कृत्यामकायः । नामविकेशमकः दशक्षात्रमञ्ज्यानाम्। ব্যবস্থান, ক্ষাটোলাবি বিশ্ব প্রাথি স্থান সংখ্যার কার্যাবিস্থার (১ (सहस्थानीकोशील) स्वयत्त्रभाष्ट्र । वड वृत्तिसङ्ग्रीर्वाच मुख्य महाद्वालयाजीवत्रकात्राविद्यालया वात्रविद्यान বেছবিভনে কুম্বনি সভালোপ্য কম্বান ভাওভাইতি বাচান

भावा वर्षे वीवामारस्य समयमर्गाव शिक्षामानामानामान्य

क्षे बेलिकः पुरस्कात्राविद्यस्थानावाविकवनाः क्षत्रकृ প্রবর্গণ একবি মানের সর্বাবিফারপ্রতিকারও পরিভার্ত। জীবনা মুখ্যাব্যেলাৎ সঞ্চলেনোপপৰা চুটড়ি ব কবিবাৰা ইতি চেমর্ডি জীবপক্ষপার্থ পরিস্তায়া ব্রহ্মনত্র স্বধ্যসূত্র উলায়ি বধাজক বীকইবাং। বিনা ক্লাক্সেরালয়ক্ত্ বুট বুলাল কাম নিজুজানীড়াক্ প্ৰলা ও বীবাহিতকলা क्षांत्राक्षणस्य व क्रांनि जार्गरमात्राक्षणः । जन् हुव्यनि क् -রং কার্বজালিবিটাত কমজাসং - প্রাথাপকাচালনপ্রয় कीय शह कहा का साथ कामार वृद्धकार काट्य का कि मिला नकeienwibfe con. ninifenten: wienfen aifmun-वादेवदङ्ककार्गी वृदेशविक्रशिककारः । व्यक्तिकार्वीकर्याः वृद्धि कक्षात्रकाम्भवित्रवृद्धिभाषात्रकाम्यक्षम् अक् on permit wienitute y armatenbermiete. একারিয়াপেরের লাকবাহিকে পশক্তিকস্পরতা ভাষুৎকুত্ব-- वक्रमाकरामनाकृतकानिकावकात्रवारकानामारकः । वक्षा-ভাবি কম্পনালীয়ত্বং সভাবং প্রতিক্রেকস্পনাত্তা**র্থন** क्ष्मकरण्याः नाचगांत्रशासाः विकासः । चक्राक्रियातः निक्रमाध्य क्या जीवप्रकृतिकानाव्यक् प्रकारशास्त्र मुक्के खादमक व्यक्तिकामीकवंगाः। वह विचायना क्षणान-व्यावकाराध्यक्षांवरहाधः श्रीरणस्थक्ति कृताव्याकः व्या व्यवस्थानमञ्ज्ञातिक देवार देवकामाञ्चानविद्यापि-আন নত জানধনজাননালেকাজনবিদ্যকলাকুপপ্রিয়া-বর্তভোতাবর্তন। বংঘার্ডপুপ্রতা, ভব্রুক্তভিবৃট্টেও, व्याचनकारिक्षणकारियो विश्वभावित्वरहर राज्या । পুৰানক্ষকবোদি পশ্চিয়োনামবোৰকতি নালি লোচকুdie gegenwunter. femanntefenefufufeften

क्षीबावकुम्बद्धारमधानयक्षात्रिक अस्त्रे स्वामानामान्यस्था ओरनका काळामानिकाकामिक कामरेनविका कीवासान। 🖫 . क्रमण जॉबका स्वरंबिक्टर्कि ह्याता रहमप्रयोक्ष्मीयप्र নৰ নামকান প্ৰতিকাশবাদানাত নামানাকেনাকালেলিকি धिकरका अवना पुरको नवाहिकश्चनक विकि स्त्रावश्याकाः একলৈনে জানজংগিতত্বেদাৎত্ব জিবিকান্তিবংগাল ভয়েছি-व्यक्तिकाष्ट्रवि काल्यो जीवाकार्तिकाश्विक वीवाद-इक्रिकिटार का भनाति अजर। पारण मध्माविकाधान-অন্যাৎত প্রতিধার জীবার প্রপারীতি হেডবি অংকর ভীর-क्षप्रिकाण र वयद्वा च जीवां व्याच्याच्याः जुनिस्तां हर्शनस्य-वैद्यानः निविद्याः कश्मिकाकुरानुभनाकारमादयनिम्या-कृताकारकारत मुसरमय कामाकिरियाहित । क्या नवरणी-क्रिकारक का व्यवस्था विरक्षित । विश्व विश्व वृत्र विश्व वृत्र श्रावद्याक्षात्रः नवेकावात्रः श्राद्याभवन्तित्रः भूतवायकादः প্ৰয়েক্ মৃত্যু হ বুল আনেত্ৰ তাৰিছকাৰ পুত্ৰইয়েছা-वाकारः वेकामः श्रीमकाभवशानात्कतः । असम्बद्धार्थाः जानवक्रमदराक्षा भाषांत्र। निरमण्डादराजाकीकि बहुर्गन् वाके विकास देवश्याः द्यानि समुदारसम्बद्धारमञ्जा cm क्षेत्रकाचे (विकटन): मानाय समायरमा ह भागामा रिवरिकक्षांत्र कन्द्रियां वेदिन शविक्षाः।

আন্তাহিককারাপাথেশিরীং করিং পট্টা। আরা-ধোলালিত। আনিপ্রাৎ বাবাবু প্রকৃতিং হিলান, বর্ কাহিলাং বিশ্বতাং, আকর্তাং প্রতঃ পরঃ, বংবাক্রার্ ব্যক্তিং ক্যানীবর্ষণা পূর্ণাক্যান্তেকব্যাক্সকার্ত প্রতঃ।

- अवद्यवासामः नगणियाणिद्यवर्गवाः नहिस्र<sup>30</sup>।

ব্যক্তিরাকেশ্বরাসনিবস্থাইর হলার বংশু কর্তু করেন্তু কর্তু কর

ধনটা আনোপথিত টিছনালা কাপকেন্ডেছ। কর্মনিত প্রমানিত বিভাগনাতি । কর্মনিতি বিভাগনাতি বিভাগনাত বিভাগনাতি বিভাগনাতি বিভাগনাতি বিভাগনাতি বিভাগনাতি বিভাগনাতি বিভা

উলেহথে জীবুলাছ: সকলেছি: সকলাজানং বাদ-জারানং অবভাসকজনখোরিখারকজানেরলালজ্ঞ-থার্থা: ক্রাইবিজেপদংখারবজানজারলা সকলাইবাদা-লবর্গানার্যাক্রাব্যব্যাপি সংক্রাক্রান্য সকলেছিছ মুক্তাং।

ইক্সাপ্টেশিকাং ক্ষিয়াত। বং ব্রাক্টিভি । এ-ব্যাক্তা লাখান্যক স্বাধিবিদেশন্ত্রীবিদ্যালয়। আধিপভাত লবের লোগোলাং এব সেমুলিব্যান, এবজ্ঞাভাত্যালয় বং, হত্ত্বং পর্যবাদাং, বড়োবা বিহানি, বং পর্য ব্যাক্টিভূটি-ভাতিক্ষাক্তপ্রথ

উপরিভাগ বাপান্তগাডেলমুন্ত্রোপান্তগালি তথ সংগ্রন্থ লগাছ। অলোবলিতি অভাননিত্রপালার্থ, আনন্দ-প্রদুক্ত মুপলিতথক্ত,আলোকত আননানগাই, তবুত্তলাতি-কোন কার্থকালিকালপান্তলাক্তির্বাহ নামে আরো-পান্তর বিপর্বব্যক্তিরিত বর্গোপ্রহার্থকার । আরু-রাধান মুক্তিন স্থানু মুখির প্রকৃত্তির নাম্যাক্তর সংগ্রান পরবাধারকথবৈতি ধোরত। পুশস্তালকোরিরটে, সুক্ষারা-প্রকারিকাপর্ক।

এবং সহজ্ঞান্তাক দাভাকং স্বাপ্রেক্তং নিজ্ঞা ব্যক্তিয়াবহণি সদৃষ্টাক্ত ওখা নিজ্ঞানতি । তথা বজালী ব্যক্তিয়া।

কৈতেবেভজালালালেশে। আন্তান্ত্রাক্ত কলা। ই প্র-ইছি - ইজুং পর্বেশ্বর প্রকাশন্ত, সং নামাধিজালানি-কেলাকিকিমিকিলেন্ কেনেল্বিলাককর্বের প্রকিনি-বিভংপুক্রপোক্তর্কাং স্থানতে প্রকাশকটি কর্মাকিক ক্রিপ্রাক্ত নামকোলাক্র্যান্ত্রান্ত্রাক্রিকানিক ক্রিপ্রাক্ত

ক্রিক্রকানে বাটিস্ট্রিক্ট্রের্ন্টের নিবিষ্ট্রার ।
ক্রেডি । ক্রেডি সপ্তাবার্থা, বাল্যানিক্রের কার্ট্রেরিডি ক্রিক্ট্রের্নির নিবিষ্ট্রার করিবলৈ করিবলৈ

ব্যক্তিয়াকোলজ্বিদা প্রাক্তিববাচ্যক্তে কর্ণহার। অন্যোধি । অস্য জীবস্থাস্থাকৌলাভিচ্চা র্ভব্রোধান মতিক্রসক্রপ্রান্থাকীজানোপাধিকজেন (বহুনারি প্রকাশক্তাভাবান প্রাক্তিবাস্থাবিত্যবাধ । প্রান্থোপ্তঃ প্রাক্তিক্তি কর্মনি । वृत्तेवसूर्णावस्य गेलावसङ्ग् वेवारवहत्यातः सः गानीतिः सन्यवस्यानार्थान्यः स्वत्यान्यः स्वत्याः स्वरं मृष्यामानवायाः नःकारार्थान्यः विक्रमः कान्यः सामिकार्यः सामव्यकृत्यार्थाः व्याप्तकान्याम् रामव्यान्याः सामक्यान्तिः राचावम्यः स्वाप्तं वास्यः राज्यस्याः स्वराद्यत्विः विक्रम्यः स्वाप्तं वास्यः राज्यस्याः स्वाप्तिः स्वत्यस्य स्वतिः । स्वत्यस्य वास्यः स्वयः विक्रम्यः स्वतिः । स्वतिः स्वयः मृष्यः स्वयः विक्रम्यः स्वयः विक्रम्यः ।

सृष्टको शिक्षणां वृज्ञण्यसम्बद्धाः शिक्षणां शिक्षणः विकारः कृष्टान्यसम्बद्धाः विकारः कृष्टान्यसम्बद्धाः विकारः कृष्टान्यसम्बद्धाः स्वापः स्वापः सर्ववितः कृष्टान्यसम्बद्धाः स्वापः स्वापः स्वापः कृष्टान्यसम्बद्धाः स्वापः स्वापः

ন্দ্রীকালানবৃত্তিপ্রধান। আদিশকাৎ বৃত্তিকালে নকলে বিদানে ধনোভিত্তকঃ কুনরপানেকীকাল্যিকাল-ইপ্রবং।

ভট্রবানুবারণে রামাণ্যতি। সুবারির। সাচারত কুরুলুরারশোলুংবাকারহিসমন্ত্রার্থনান্ত্রভাগে কমনুত কুরুলুরার নির্লাবস্থালকার্যতে। বিস্কৃতিক্তবৃত্তিরি-কুলুলুরার্যত সংগ্রহানিকার্যত

্ উল্লেখনা মানুল বিষয়ে কাল্য নিজৰ মনুল কোৰে। বিশ্ববৃদ্ধ । স্পাধনা বিশ্ববৃদ্ধ নিজৰ মনুল কোৰে।

প্রাক্তের্থনার্থের ফ্রান্থর প্রমান্থরি। রানের্ফেন্ বর্টির। আনিপ্রমান্থ্যরালন্প্রনাহের্থান পরীয়াও নমুখার পর্য ভোটোলপ্রশাস্থ্য কেন র্লেন্ড্রিক্টা-রয়েইক্যানি ক্ষরাব্যসংগ্রহ।

আন্য হৈছালাখা কুটাৰজন ৰজায়ান্বিভালানে জনেবি দুক্তীৰানে কন্ত প্ৰথানহাৰ। লিববিছি। আবিলয়ান নিজু ভাৰসু হংলানান ভোকাইআৰক বহুবেব। ভোৱোহিক জন্ম নাজী হিভাবোৰক্য স্বানিক্য উভাচিকভাৰত্ব-প্ৰথ

व्यक्तारहरास्य शासक्तिकस्य श्रापन्यार्थस्यक्रमः माक्तिकश्रमकामस्य क्रिकेस्टर्शस्य । अस्य ३.१० ক্ষমবন্ধারিমানিস্থিত্যজ্ঞানং স্বিভারং প্রপ্রভারং নিজপা ইয়ানীং তৎকর্মেয়াখারোপক্ষমেগানিক্সভিন্নং-ভুমুলমোনিজেনাজানগড়ং সামর্গাং ভারনিক্সপর্যন্তি। অন্যান্তান্ত্রান্ত

শ করাবরণশাভিৎ সমুক্তীয়ে যুগলাক্ষাতি । আর্র্থে কি শহালাক্ষা সুক্তিয়ে বুলিভাগিকাচালার প্রিতিরক্তং ভরালি পরিভোগালেকতা অপ্যাক্ষাক্ষ বিলক্ষিতির সুক্তিবলাটাভিত্তার বৈষ্ণান । বুলিলি-থাকতালাক বুলিলিক বিল্বুক্তিকান্য লক্ষ্যতে বুল্বের আনকার্যাক্ষেত্র করাবৃত্ত আনুল্পার্যা।

निवाणिकारचे वयायलकात्रावाममावयायः। यनुक-

বিভাগিন।।

केकावारहरणांकः ए-कंकियातः वृद्धिमाद्यादमधीकारः। भागवर्थिः

অধিষ্ঠানমন্ত্রপবিশেষাধরণবংশন বিশরীয়ার্থনভাবন। ক্ষরতীয়াত্রসূচীক্ষরাধ । স্থানাজ্ঞানেরি।

विकास मार्गिका अपूर्वे स्वापाद : विकास स्वित्

আন্তান্যান্ত্ৰীৰ কৃষ্ণাৰ বিষ্ণাৰ বিষ্ণাৰ ক্ষিত্ৰীৰ ক্ম

ন্তেক্ বিধা আনোপাছিল সেবার হৈ কলায় সামার কর্তিক করে। করিছিক কর্তিক করে স্থানুপানার করে। ই কর্তিক বিধানার করে। করিছিল বিধানার করে করিছিল। করিছিল করিছিল করিছিল। করিছিল করিছিল করিছিল। করিছিল করিছিল করিছিল করিছিল। করিছিল করেছিল করিছিল করিছিছ

কাৰ্য্যাক্ষ্যিকাৰ্যক্ষ্য কৰে দুটাক্ষ্যক। বংগতি।
কৃষ্য উন্নাত্য, ক্ষ্যেক কাৰ্যাৎ ব্যক্ষায়াৎ, কৰা কৃষ্য ক্ষ্যানিবাহে, ক্ষ্যেক কাৰ্যাৎ ব্যক্ষায়াৎ, কৰা কৃষ্য ক্ষয়ানিবাহে, কাৰ্যক্ষয়া ক্ষ্যাক্ষ্যানিবাহে, কাৰ্যক্ষয়া ক্ষ্যানিবাহে ক্ষয়ানিবাহে, ক্ষামিনাক্ষ্যানিবাহে, ক্ষামিনাক্ষ্যানিবাহিত ক্ষামেনাক্ষ্যানিবাহে, ক্ষামিনাক্ষ্যানিবাহিত, ক্ষামিনাক্ষ্যানিবাহিত, ক্ষামিনাক্ষ্যানিবাহিত, ক্ষামিনাক্ষ্যানিবাহিত, ক্ষামিনাক্ষ্যানিবাহিত, ক্ষামিনাক্ষ্যানিবাহিত, ক্ষামিনাক্ষ্যানিবাহিত, ক্ষামিনাক্ষয়ানিবাহিত, ক্ষামিনাক্ষ্যানিবাহিত, ক্ষামিনাক্ষয়ানিবাহিত, ক্ষামিনাক্ষয়ানিবাহিত,

ওবের ইংকালা ভবকারনকর প্রবাদ করের। লোকস্থিকত কর্মকার ভরাপ্রথমের করেন। প্রানামানিকসামুক্তনেরবের্নি কর সার্থা বৃত্তিশু-উলা।

देकन्यमृक्तिकार द्वानवारः। स्वावित् । स्राक्तिन् । स्राक

वृत्राधिकृति क्षत्र श्रीषा स्म माधाराध्या करणावन्ति-अक्टकार्थन क्रांकाक्षणकाकाकावा । यह माध्यस्थावश्रीक्षः ক্সান্য কাৰ্যবিভিন্নভাৱ প্ৰাথমে প্ৰাথকৈবিভিন্নভাগ উৎ-পরিয়ামুল্যবাকালে মাধ্যমাধ্য ক্ষান্তর বিপ্রাধিপতাবিক-वांशाः वृद्यकृतियाः, पश्चिमकाताः नामाकाशनकवेतानुः যাত্রাকে প্রস্থাপরে। ১ বহাস্যা কলিক পাধিক্রথপ্রের্জারে অবিকৃত্যা-আভাবেছলি বেহাকিনঃ সহান্ত স্কানার-বুটাক্ষাক, বেনাৰ চাৰ্ডক চিত্ৰি ভালোলাড়ালোকৰা আকা-বলা সামপরিবাধক্ষমতথ্য আহোন কং প্রাটি কল্যোপা-ভিন্তা । বালি বিক্লয় সংচাহিলগাঁসংগ্রাথেয় । বালি সা-प्राज्यादेशकाविकारि लकाश्रद्यनाथः । शालामाधादवः वर्गः ক্ষরামিকার । মালি কালাগীতঃ বাহকপ্রমানামিরপ্রার। ব্রোধানুয়ারৎ হামকমিছি হয়বাৎ কলা বয়শিরাকপা-वर्षक्रमानुषात्रस्य वर्षावरा विकरियक्षमध्यात्रस्या 💶 🖚 स्थान বেরবালারকৈর কিলারার করেন্ডেরকর বি face staurantierfruten etriarucuguniafufafo. অপলিকাহিত রালক্ষিতি নাইছের বালাক্ষাতে, কিন্তু কর্মানাত এড্ডারাড় এ আকাশঃ সংখ্যারীর সমুখ্যারঃ সমুভ্যারছে: कारण नांकारकाङ्गावादमारकारकोत्रा मजन नाजुनमानमुद्रकाकाः द्वाम् ना वेदि सर्वात्रम् दार्गात्रकोलस्याः साविद्वस्याः। atter etwartaattaasi teermenatus unburus वार्त्वि क्षेत्रकार हा प्रश्नेतृष्टांबका वृत्रेक्ट्य्यट्टांबट्वांश्च्यां वरवरकाकारानः विवयस्यपुराक्षमा विवयस्यक्षानस ord erfusigen emane men gruterfrengemefageneumenaferinafula con merentua germ दिवकामा । अञ्चलना दर्जावस्था जन्मा वर्षका प्रवासकी । minenes stediente. Mim eleeminingerfrem-

বেৰুঃ ব্যাৎ - আকাশালয়ৰা ব্ৰহ্মবাহকেউজাৎ, কৰাছ-বৰুষানৎ ন প্ৰতিপক্ষঃ নাশিপকাৰ্যসূত্ৰপ্ৰাক্ষাকে। 🔏 বাৰস্থাবেদাপ্যকাশবেধাৎপড়ে সন্তানিভক্ষাৎ ব্যক্ত क्षांबाववाकुरा अवृत्तिद्वराकामः क्षारः बंदकः। অভ্যাপদখা চেক্ প্রভাগনালনুৎ পরিমঞ্জাৎ সহজেলভীতি হেতৃনিলেকিডঃ । বৰনভূপেধ্যে কৃ কুচজানিবভাব ছেতৃ।। ধবাবি চতুৰীপর্যাণ্যউৎপ্রাহে সুবীলাৎ কুবলাই। वहेरविरम् । य ह वृत्रेक्सश्यकार्थयम्।देशकाविकवः व-न्याणि लक्ष्यकात्वारः। त इ ४विद्यापवञ्चवात्राधः। निरंक्षकानि एकम भविष्यस्थल क्षत्रमुक्षांस्वरकारमञ्जानरकः। ২ চ পর্যাণ্ডারলৈ আর্হান্তে বার্থান্তব্যালার **ভিয়**পি মুলকারণৎ কলতঃ ল্যাকিকি বাচাৎ সুক্ষন্তর জগল্লকার-नमा व्यक्तिकोतिकातनुज्ञानश्रतिक्षकावया विक्रमानाव्य-नविष्यको भट्डक्रमचावस्थाय नकेयय । व कामाकप्रविन থ্যালাংব্যবিহারে, ভদ্যাভারাকারবিদ্যক্ষভাকু।পদস্থাৎ। कारताकृति रक्षकात्रात्राः भूजेयनुक्रम्भीयाः । ज व शाकाया-বিংলবলয়নাদেশ্ ব্যক্তিয়ারঃ. ক্র লাভান্যলঃ বিভার্যা-মাংল পুথাৰ ৰপানতিং দলাদতে স্তম আগেলো জ্বলাপ্ৰকৃতি এক-বালি বিশেষাস্থাৰ - দাখানেঃ কণিশভাইতি ক্ষরিকারাংক विक्रालियन प्रधात पुराक्षाशीयोः मध्यामर्गस्यमधानाः नावानामाञ्चलांगाः नवानायवर्तानः नवानाव्यलि स्व-इश्वित्रिकामा कालानुलन हाथ आन्त्रेशकाक्षणः वृक्षणः। महिनक पुरिवाद, महनद मोहबाक्य, मखाय सामाजिकार-विभार मध्यक ४५ अवासांस्थाक मध्याप्रत्यामुख्या राजनास्त्री ergunumifufumenta grmentes untes fama-ट्यांजिमाध्यस्थाकः स्थापं भागारतः नाविकातः विश्वान जवराको ह बगुजाकरण्यो, खरावार्थना बगुजाकरण्याः

ভয়া ভিৰানখনত বুলী কৰাং, প্ৰপঞ্জিত কৰা ভিনি জীৱোল-ह्यारकः अस्यवन्त्रं कर्याच श्रकालामुहानवर्गाकाः, चा<u>र</u>का-ব্ৰথমানিতি প্ৰমানেৰ্থটা প্ৰমান্থ কৰা দৰ্শবিক্ষা বন্ধান পর্ব, সাপ্তবন্ধি কিকিন্স বন্ধারানীযোমজ্ঞা-বোহাত কিভিনিতি ইউভিয়ালকতি মুখ্যভিন্তিক ও অন এক-क्रांविरण्यान श्रीहरवर्धात । चन्द्रवाक्ष्मियत्वाक्ष्मक्षतः अव-बाव्याच्या श्रीयाचनः मास्यापुरावि अपि असंबक्षको प्रकारिकादिक मानेप्राहरकातः । यथा का का-लकारमाने नकविष्णानाक विद्यापाककित विद्यापा पक्रदेशिक्तीनामधी मामनान्ति कार्यक्रावादकपद्मानुकृत् प्रकारकः वर्षावद्यानामकः विभागः त्याक्राविति जुक्कनुक्तः-च्चिम अकिषिताः नृज्यविकात्रकाः मृत्यकि । रक्षक् श्रा-क्राविमानद्वन्यमादिकार्यकानाधिमा वक्रमाद क्रान्यmin nimminfam fenglimunfennie : व्यानाय नाम् कोष्ट्रभक्तां को व्यवस्थित विकास ertrenfemfefeceter. Magne neutammete-शिक्ति न्यान्तिद्वाशाच । अटबस अनवने बल्किशा की छन-प्रवादिविकार वन्त्र नावीति वर्णिकः । वार्विकारकाव्यक्त-क्रिकार प्रकृष्णाचेनचारवात्राच्यीयानाक क्रमाल्याचि वन्यक्षकान्त्रवृत्रोताक वन्नावाकानप्रकारकाराः स्थापः ९ कुटनवारिकाचाक्रास्थ्यम् शुक्षक मक्कावासारः । विकृषbusnisten fanufungemifafe famung: min-भागात् वीत्रक्षत्र विद्यानिक प्रत्ये कार्यामार्थिक प्रत्ये अवस्थित हान neinigenaermitlangenfeinfa geben, prorat- वृक्षक क्रमकेक्यकात्राध्यक्षक क्रमक्रक्षक व्यक्षक व्यक्तक व्यक व्यक्तक व्यक्तक व्यक्तक व्यक्तक व्यक्तक व्यक्तक व्यक्तक व्यक्तक व्यक्तक क्ष्मभूत्रीकार्वाणि हुँ कृष्णकार्थायः, च्याक्त्रकारः है विकास्तुम्भू (कर ) वास्त्राक्ष्मि, कर्षाक्षकात्रात्रका व्यक्तिकार व्यक्तिकारक

ভ্ৰম্পানবিধন্দলাক্ষিকভাবেলাক্ষিট্যনামান্ত্ৰালিকাল্পনিয়াকে তথ কথ্যবৰ্গনাক কুনেবিধালিক ক্ষাত্ৰ হৈ কথ্যবৰ্গনাক কুনেবিধালিকালাকিক ক্ষাত্ৰ হৈ ক্ষাত্ৰ হৈ কুনেবিধালিকালাকিক ক্ষাত্ৰ হৈ কুনিকালাকিক ক্ষাত্ৰ ক্ষাত্

के भवामाध्यक्षिकामानि यु अकामाध्यानिम् स्थ-प्रवृत्तमाञ्चलि । उसमितिकः अधिकाशास्त्रमञ्जले स्थ-वेनाः स्थापमध्यमाः श्रीक्रयम् वात् वनामक्ष्यः स्थापानि-कृषः स्थापिकाः सरेवतं स्थितिहरूष्य स्वत्रस्थितः ।

এবতাকুলাও পঞ্চজাতারি ক্রতের লাভতে ইতি হি

ø

কুটারিবাসপুরাধেত্ প্রতিভিত্তভগ্যাকাশ্যেরিবাধেপ-তিয়ালকে টিও ভরাব। এতানোকেতি। এতানোকা কাশালীনি পুজাসুকানি বাবদারাক্ষাণি প্রথমিকাবজা-ইর্জনভারানি স্থাপ্রতিভাগি পির্যাশংস্টানি চেতি কুলাভিত্যাকে ক্ষাধিভিত্তিভাগিল

काम वेश-वृद्धाधारका लाश्याक्षणकृत्यका वैद्यावीशस्त्रीति-काशास्त्रालश्यक्षणकानीस्त्रः । अस्त्रकावीतः

তে পূব্য স্থানশাহ্যবাইর জানাছ। আর্থনাত্ত্বি

তি। নন্ কথাৎ লিজপরীকং লগান্যবাহিতি বিশ্বীপ্রান্ত্র বাব্যা পূর্যক্ষণ নিজনাত্ত্বতে সুক্রেরাচার্যাঃ
লক্ষ্মীক্ষাবাহিতে, আনেপ্রিয়ানি লইক্স, লক্ষ্মপ্রান্তিরা

মানি চ.। সংলাক্ষ্যিকভার ভিত্তত্তি চক্ষ্মীক্ষ্ম। প্রাবাহনাক্ষ্মান বানেইলামানাস্থানিক চ্লক্ষ্মিকার প্রান্ত্রান্ত্রাক্ষ্মানিকার ক্ষ্মপূজানিপক্ষ,। অনিকাশ্বরাক্ষ্মানিক বিশ্বনাক্ষ্মানিকার ক্ষ্মানিকার ক্ষমানিকার ক্যমানিকার ক্ষমানিকার ক্ষম

বির্থান্টরি, উচ্চত্তর ন ইডভেরাৎ প্রভাগান বিবাদেশার ছা-পোষতে যান্ত্ৰলি অন্তোলাও ন নামুক্তৰঃ হাত্ৰ প্ৰভাগায়াক্ত किन परवाकता अनुवनकरेतात अनुवनकरियारकर ক্তবা হবা কল্প বার কর্তবাং। কথাবি ইংলাকারাৎ বি নক্ত क्यावयराजाः च्डमुखाम्।नाजावाधि क्वनावावकविकार च इटके भागांद्या भारतगरमाइटकमाधाविका। व वस्तानाकार পুরাপ্রিক্ষানের, জুরুপুর্বাধি চালিক পরীরেরজাত পুরবাধিcare committee eriges ferma verfmerma कु क्षर्यकाम आर्थनवीर्विष्यका । अन्तर लुक्तिकराविद्यम य विद्यापातः । कथा लामाबद्युक्तीन म् वनुष्यानि क्रमादारीwit 444 battetmanmieteine efenfenenteene. কুৰীক্ষা স্বাহসকাৎ নিকলিবং ডলাড সপ্সপ্তকালয়ি-ব্রিকি ফরেঃ প্রভাগতেরির-চার্কনা সক্ষমভার্থকার নুম্মন পাৰ্যব্যাহ নিজপদীয়াৎ সুখাৎ প্ৰেৰ্থমিয় 🖅 মৃত্যু-क्षकविष्टेकः। प्रकाम नचवनकः श्रादिकः वि विक् ডিভি আননাধনানাল্ডিকান ছোল্লাকীনি ছেছাৎ পঞ্ क्रांचीक्षणाच्यक्षाध्यक्षित्रकारित श्रीरकामः स्थाप्तरूरः वाक्यभावितः

ই ব্রিয়ানার মার্কিন নির্মানী সাধ বাংলাতি কৃষ্ণে এইছে প্রাথ তেতিক কৃষ্ণ কর্মান ক্রিয়ার ক্র

वृश्चिकत्रो सम्बद्धाः वृश्चित्रश्चितः विकारशाहशः इत्यावः वैश्वित्रश्चरत्वि विकारश्चित्रस्थः स्थान्तः वैद्वन् श्रीवरः विकार श्रीविधि विकार्यद्वात्रस्यः, विकारश्चविकारः वर्षेकः स्थारः।

negrepen eribrettfeter aufre anter

কুটাভবিত্যভাবাই। অন্যোহেটেভি অনুসভাবাহিতাৰ ক্ষেত্ৰ বৃথিতিত্ব , অভিযানাদ্বি ভাষান্ত বৃথিত হয় কৈই চিন্তা বুজাকজীবং বিষয়পতি বিশ্বস্থান ক্ষেত্ৰ কিইছাৰ কৰা আৰু ক্ষেত্ৰ কিইছাৰ ক্ষাপি নজপত্ৰ ক্ষাবিত্য আৰু ক্ষাপ্ত কৰা ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাবিত্য ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষা ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাবিত্য ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষালেক ক্ষাবিত্য ক্ষাপ্ত ক্ষাবিত্য ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাবিত্য ক্ষাব্যক্ত ক্ষাবিত্য ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাবিত্য ক্ষাবিত্য ক্ষাবিত্য ক্ষাবিত্য ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত ক্ষাবিত্য ক্ষাপ্ত ক্

Marceste speinengerentete colfeen

য়াছ। এতেপুনরিতি।

উঞাবাং আনে প্রিকাশন কাম্যানাল প্রকাশন কি কাংশকার্থকে কেরুবাব। একেবাং প্রকাশন কলাকিছি। বার সক্ষাং নির্মাণকার, প্রকাশকার্থকার কি ক্ষেত্র। প্রকাশকার্থকার প্রকাশন বিশ্বিকাশন কর্মনার্থকার কাম্যান্ত্র। প্রকাশন বার্থকার কর্মনার্থকার কর্মনার্থকা

নিক্রপানাধে লিজপরাধে উল্কেখনাথ্য নিজ্ঞান্তর তেহৎ কর্মানি । ইমংবুদ্ধিরিত। বুদ্ধিপ্রধ্যনার্থাক বোরাবৃদ্ধিক্তিপ্রেক। ।

ध्यूनविकोऽध्यामा इ राभरम्भरणस्यादः । व्यक्तिकः व्यक् विकासमस्यानाराध्यसम्बद्धानाः वीर्योकाशस्य के वास्तरः।

ক্তনা প্রজান্তনেরিংশকরার। ব্যানকারিকটিও। ব্যবভারবের বিংশবনান্তরেও ব্যানকি। উন্তল্যেকতিও ক্তম ক্রেরার। কর্ত্তারিও। করা চ ফরিও, 'বিজ্ঞা-বং ক্তম কর্ত্ত কর্মানি কর্তেনি ক্রেডি। কর্মাকিক্ত কৈজন্যান্তনোর বাস্তবং কিন্তারিকারিকবিজ্ঞানিক্সানি

भू वेशकाश्याक्षक्षकां विश्वविकाः व्यक्तिकाः व्यक्तिकाः व्यक्तिकाः व्यक्तिकाः व्यक्तिकाः व्यक्तिकाः विश्वविकाः विष्यविकाः विश्वविकाः विष्यविकाः विश्वविकाः विषयिकाः व

এরেদার্যাল পুরারকৌভিকজার। ভারতি পুরারিছি বস্তু কথমিল্লিচানাৎ ভৌতিকলং বিভিশানে বর্তনাইং कुंबरनाटमः भागवानुभादनदरायभाषितद्वानदयः अञ्चानि !-बारक हो। बाबाय: महस्र श्रिपानि एति मात्रान् हानद्वातक होन्नि अभ्यक्तांत्रिका कृष्णांत्रां नृष्णां कर्णायां विश्वित्वार्थः পৰিবালিক: রখাচ নাগা,অধরা বিভানন্তনী করেন विकासिक दश्याविद्यामानिक। बहेब्द्रक्यां दशेष्ट्रिक-বেল প্রতিথাকার। অভ্যত্ত হি কৌলা সক্ষাপোহতা। প্ৰাৰাহৰকোষণী বাৰ্শিচ প্ৰৌডলিজনা প্ৰয়াৰজাশ। 🗷 🕏 বাগালিবিশ্বিকজনপ্রনিক্তিরি বাচা১, প্রক্রণা বাচ১ সঞ্চ কুক বাচা বি সন্মাধি নামানাবেশদীতিকৌৰীভব্যালোচকু-্যানিভিঃ সহ বাচঃ সমভিনীমভয়াৎ, আথবাংও চ চতু<sup>ক</sup> कुक्रेराविकारिका नविकारतीक्षित्रात्। भाकता करको हाला-हरा< तालकुष्णामकविकराक शामुक रिसर्वविकाक লাকৌত গ্ৰহাতভতি ব্যালীসাম্পি স্বিধ্বাৰণ্ড স্থতি-ব্যাহ্যকার । এডারি ডেক্সিয়ারোকারলৈর ভবতি হ কুলানি নাথিকানি, সংগণে পুরুষে প্রাণাকাইকুকারপৃষ্ট-তি প্রভাবরহানের নিভাবিকভার। সামস্থাপুর্যার

मारिकाम श्रीमाचने हर शक्तिशक्तिका कि रचका। आहीति-. च.५ मृक्षाकर में श्रिताशुक्तकार्तिक नाटम । **चन्छ रेकवा**र ाहित्याच्या गढि मृत्यासमध्यनप्रभागनवराधाः वृश्वद्याः ্লকণভাৎ তথা সভি লক্ষ্মীয়তা লিকার্যাবৃপত্তিপ্রথ-নুং- অপরিভিত্তমে ডোৎফাবিপ্ডাগ্রিফাবিয়ার্ডো-शहरतमः, मुन्ताम हाध्यावित्रहरः रिनाधिनेक्यपेत শরীর বিচের ভাশবিক্ষমহানানী প্রিয়ারি প্রারাজ-লেপদৰোৱন ন জেপলয়াৰে হয়াবৃত্তপ্ৰাহ্মগ্ৰাহ্মীয়ে বাবি। নথচিকাগড়ুজা মুখা প্লাহিশবিকাদিলতেরপ্লা विरयस्यामाध्यस्य मुन्यानिकारमम् सामानीत्रिकालामा शहर-শ্বাবধান কথানয়াৎ কৌভিকজানুৱাকে ইতি হেলৈখনোৱা বেষভাৰামপ্যাতিবৈভিকপ্ৰানাম্বাৎ ভৌত্তিলকে বিশিক্ত countriculation of the mention of the state of the countries of the state of the st বুলবুলেক্সেক্সমূলে, কথা চ কোটিকলেপ্লীব্রিলানি লেকস্কা-স্ক্রীরাশি হোচ ন বিক্লায়ে। তথা ইন্সিবালুক্সকথারি कोठिकात्मर त्यरकाता< शृतकर्गाटकावृत्कान कक्तीह-वा इ नार्यस्थातमाहिक्स्याधिकालम् इत्राचनमात्रिकः विक्- त.45:१६६७।वादाः न्यापायमध्याम् नरवतानुकामधी-কি হেলোহাত্রাথায়িল্লিয়াথাডুম্ফাডিলম্বে সময়াবেশভু-का अस्टेंबर ठाकुका शुक्रका शहाध्यक्तावर्थक वर्षात ভূপতভাষ্টভাগিতাপুভূষ্য চমুকোপভ্ৰমণ কৰিছি। বে পুরস্থাতাপ্রাধন্য বৃত্তিভেত্তবালালবউডি বছজি ভেপা-स्टेक्ट बीत्रा निवास्थक्ताः। ८३ व बाह्युक्युः सर्वेस्ट्राः বৈত্যুপক্রমাজুরপাংগবিভয়ের বার্যাটান্টুর্নার্ডিকার্টা पर्यान्त । वानाविधानवन्त्रभाषा वदानकः आन्युकृति পুৰবের মুক্তপ্রাক্ত বিক্রেশ্য । তথা সুস্থানাথ বার্থন

ন্নাৰুপদাংহাবোদু এপ্ৰাৰম্য সন্ধিক্ষাবিকাল্যবন্ধিতি ইব্যালালাক প্ৰাৰাধিকিলাৰ ক্ষেত্ৰ কৰা ক্ষিত্ৰ নিৰ্দেশ্য কৰা ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্ৰ কৰা ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্

प्रेयाजीय वातुलक्षकय विकादक्षण वाष्ट्रपति । वार्योपः व्यक्तदानिकार्यकः। शर्मान् शास्त्रवययकि अस्त्रवयकि शांभवे क्रांकिशनाक वक्तवकामः शांभवकाणि मामारत हो-ন্তাকৰু পদ ভাষাৰক্ষাৰ দোৱাৰাৰ বহী মৃত্যকে। অধোনায়ক টুম্মান প্রতাম মলামানসমতাপ্রের, পায়্য হিছ যুক্ ब्रामवर्ति राज्यः। आवित्रवाकृत्यसूत्रकः वकानि पूजाहरू ছোবিদল্লঃলামকর্মজাৎ। বিদৃদ্ পরিভঃগর্মহেলবর্মণ বিষারে গলা করবা। প্রাধালাববাঁট্রিয়রকর্মা অর্থা-Mil betriebt felt gifter कर्मदश्युष्टावृत्तिमानुहेत्वर्थी क्षांत्रविद्यार्थः । उदा ह क्षांत्रः, व्यक्ष वः श्राधानावरमाः मध्यि। नवारतरे हुन्छ बच्चा एका चारश्चांब्यवारका चारका हुक्ता व्याप्तान्य व्यापनायाय भागात्र । व्यापनायाय । রুষ্ঠুতোরা কুর্যে<sub>র</sub>'বা অংশাংকারা শ**রার্থের পরাইনি কংল**-हरकरनमः उपुताविषायहरूतियवद्यीलि वर्षमञ्चला श्री-বেন নিবস্তীয়াত কৰ্মপুলেক্ষ্মী ট্ৰানটডুকেছে ৷ অপিছা-क्षा जनसम्बाध स्थान वे प्रार्थीः।

যরাজসমূহখালাগতি বসতপরিস্থাত্তে। তেরিকৈছি। স্কেলাং লক্ষণজ্ঞাত। তাল্টর্যাতিসা। ইন্দিরেক্ রাখিঃ ইত্তালসভাগিনালালাপুল্লকলপর।কোক ক্বপুরিঃ অসাধ্যাত্তিত।

উত্তালিক বছৎ প্রকারটো একেবার্টি। কে-ক্রিক্টেশ্রিক্রিক্স একেবাং নাগানীনা প্রাথমি बुख्यांताविकायवर्षः । अस्तित्व १० विवृत्या वादयाः क्रिया विवेद्यमा राजुलकामचेत्रास्त्र, तथा दशागारमरेनदर्श-বিলুত্বনাংশি নিজোনাগ্ৰা ১৭কডুলবানে ছড়াব'ল ভড়া शक्कक्षरः । केकीलजनगण्यकत्ते। इसे कक्षरक्रमान्य सामिन विश्वकृष्टा । देवीलवनकृष्ट कृष्टमा शाहर । कहाँ-त्वज्ञान्त्रको दात्रीयाः भारत्य इत्राविकाययानमा तकतः नहोद्राम्टनम् ७५ शररमध्य कृत्त महात्रम् कृत्यानमहारा क्रक्षंत्र कृष्ट्रमा महात्मध्यक्षात्रः । ज्ञाहरमा निमुध्यमाह-क्रिक्ट्रकार्विश्वासम्मादनक राष्ट्रमान्यकान्योगस्थितिकः क्षाप्त वीक्त्रभा प्रानावक्षाप्त्रभावकरं सहस्वत्रा क्ष्य ৭১৮ চেচাকের লাবেটারঃ, অপানাধ্যস্থিত বা পরী-बाकः लाविन्दरातातात्वकीकृतः । क्षत्वदेशक्षरस्था स्-बाबानाकः। क्षणास्यमानिकृत्रकानामिकः। वृत्रस्थाः ভিত্তসংখ্যাতিক্রের পরীবেচ্ছপরিপানে করের পোইক লুটালোঃ পুটেটাঃ সন্তুলালুলালিকটারি সহায়ের ধনপুষ্পাট-ক্ষাৰঃ হতা চ প্ৰানাদীনামেত বহাচাইছালীকালিকিয়ানি-মিক্সভাবৰ্'রবমানক্রান্যমান্ত নাগাকিল আবাল্যালুড লপায়ে ডলোবরবলপুরাং ডেয়াং গৌরবসপ্রায়ানিকলিডি ভাৰঃ : ভংগী দু লভানামের প্রাথালীনাম ভঞ্জ ভঞ্জৰ-বাৰণ্ডিকতা চেবাং কংশনা : প্ৰাধাৰতোঞ্জি মুখ্যবৈভিত্তা প্রানদা বৃত্তি হিশেষার্থন ভজাত্তর ভারপ্রান্থের পাবে বার্যার উদানং লয়চলাখনদানি বৃহলারবাদে। বৃত্তিমতঃ প্রাবলা বিদ্ सन्तर्भागनसराद्यम् भ्रश्नद्विद्यम् नाथ । इत्राह्म नामद्रानस्य বৃদ্ধিক্ষনোৰমালবেশানিতি। তথ্যসূত্ৰপ্ৰাহেবলি বাহে। केष्ट्रा युक्तकप्रभाग दिवादहान महीहकत्वा नत्कारहरू বিলাভয়াত্রেশবভিয়েরতালুলের। মালি বাগাদীয়াং বাঁ-वाममुख्यिक्तातः क्रियाः अवयोक्ताकाः श्रीराज्यसः महर्ताः

## विकारनात्राकृतः।

শ্বিকাৰিক বাংবাবৃদ্ধিক কৰে) বাংবাহিন্দ্ৰিবাৰাক প্ৰাৰ্থনি পূৰ্বাৰে নিকেশাৰ,ছবাচ ন্যান্য ন বাধুক্তিৰে প্ৰশ্বৰায় শাৰ্ষিক। অনুক্তেচাচিন্দাৰৰপাতি স্থিতৰ পুৰুজ্ঞানিত কমপি প্ৰাৰ্থানুদক্তেগমিক সংস্কৃত্য।

প্রাথানীনাক্তি পূর্ববস্থালালালিবিজ্যের স্থানীক্ কিঃ ইল্ডিকি।

উক্তানামের কর্মেন্ড্রিয়াবাং প্রাবাদিভিক্সিক্তাল্থ। পূর্ববন্ধবান্তবাহন টকং প্রাবাদিভিত

शासांकराकवार इत्याप्त्राचार्यस्था विकास । कः

উক্ত৲ কোশভ্ৰমস্থান হেছাৎ প্ৰাক্তিনিকভাৎ ব্যবস্থাৎ বুশবিত্রি। এতের কোলেরিডার্যার্লনী। বিজ্ঞানমন্ত প্রচেন্ত্ gerachtifer gentle weeftergen treet mus-জিললিকভাতে ভাললকিকভাত, ইংইং সভালেলাবিচিকিত, লেডগালিকতা: একাল্ডলবিচালালাকিবাৰটোৰ্ডিকা<u>চ</u> व्याप्रतिक कार्याकृष्टकार, प्रदेशकादकायका स्थान श्राप्ति का चार्वहरू वृक्षः अन्यवनागमांचान् गडीदन झादनामुक्क क्षित्रवाद्याद्य देखारकार्यात्वारिकार्यात्रकार्या effenteine nethanguenanfamen einnetelle चन्। क्रियाचिकश्यातः । (साध्यक्षाविकश्यायकश्येतः हि-লাল্যাক্ষ্য ভূ কৰ্মান্ত্ৰপথানিত্ৰত, হলোহসকোল্যা কৰুছ क्षर विद्यवसाधनकार चार्यास्त्रविविवयमानार सविका विकास दर्शन समयमगा विद्युक्त स्थार आज कारा कारते वर्षः ्याविरसङ्गाधनकारः कन्ननभक्तभारहोति स्*व*-९ सरमायकानु क्ट्रब्रह्मभूष्यपः। क्ष्यात्र व्यक्तिः। चानात्र प्रमाध्य व्यपः सम्ब প্ৰভাৱ বৰামভৰণ নামেলৈলি ভ্ৰাৰণি পৃষ্ঠটান ক্ষান্তীয়ক্ষা বিভাগভীতি ৪. মাধুক কাৰি বিজ্ঞাপন

ভাৰুপলাইপ্ৰদান্ত্ৰভাৰ্ত্তিবিশ্বানাক্ষণতি। ভাষা হৈছি । বিশ্বাংশকেটাং ভাষা প্ৰাথেটি আনহাত প্ৰাথেটা বাৰুনাক্ষণতি পুনিৰ্ভূত্বাক্ষণ বিশ্বানাথ প্ৰাণ্যযান্ত্ৰ কা ভাষাক্ষণ বৃদ্ধবিভিত্ত

এবং সূক্ষণটোরস্থাবেষার্ স্থিপেয়ারিক্রপাবেষ্টি বং নির্দেশবন্তি। এতং ভোগেতি। লিক্সং মনোধার নিয়ক্তং

অনন্ত হৈ সনোধানভাবিধে কেবাইড়াহিক্ষতির জিল্ ক্ষাইনাপোক অবস্থ ভারত্ত্বিক্তাবেকজাবেকজাবেকজাবেক জানাদের বাববেড়াভিপ্রেডাক। অবিলন্ত্রভাতি।

আনবোল্যকিনমক্টেন্ত্রকথাৎ কাউমের প্রকিন্টার্টা মানুব্রক ব্যক্তিপানুহ সমতি ব্যক্তিরভারতকে সমতিনি-অরীয়াভিয়ানিনকৈডকান্য ব্যক্তার্নিভার বাপ্রেশ-বিশেষাধার। এডৎ সম্প্রতি।

্ বাল্লেণ্ডনে নিষ্কিত্তা স্থাপিতানিনা স্থানি ভাবুল্যকান সুমাতা, আনশ্চিত্তত্তান্ত্ৰপানি ভিত্তপানিক স্থানা ভাবুলগাই। ক্রিনাল্লিন্সনিকৈ প্রাক্তিপালিকে স্থানা ভাবুলগাই প্রাক্তিপালিকে স্থানিক প্রাক্তিপালিকে স্থানা ভিপ্রাধেলিক সুমান্ত্রকা স্থানিক প্রাক্তি স্থাপিত ভ্রতান ক্রান্ত্রিক ভাগেলেটিক বোলনা। ভ্রতাত্ত্বনা ভ্রতানিক প্রাক্তি ভ্রতাত্তি বিশ্বালিক ক্রেনালিক ভূত্রেলেকি হির্বাপ্তা স্বাক্তি প্রাক্তি ক্রেনালিক ভ্রতাত্তিক স্থানিক প্রাক্তিক ক্রেনালিক ভ্রতাত্তিক স্থানিক প্রাক্তিক স্থানিক স্থা

अस्तु वरिक्कानसम्बद्धारम् अञ्चलकारम् काराधिः ।

এবং নামন্তি লিক্ষত্ত প্ৰিন্ত হৈছ সংঘানাংগৰে পাছ-ক্ বাতি লিক্ষত দুপৰিভাগৈ ক্ৰমনোৱাপি ভাগাছ । এছ-লিকি।

ইর্জন্মাপনেশনে চেমুখার। ব্যেক্তাক্তাক্তি। তে-লোম্বাক্তি ব্যাপ, বিশ্বাস কেন কালেক্তি করেই আলেক্তাক্ অভানক্ষাক্তা বান্ধবাপ্তবালাব্যাক্তাক। অন্যালীক্তি লাক্তাক্তি। ১ ক্ষাপ্তবিধ্যাক্ত

द्धारेव शांध्य स्वावृद्धिक करका नवकियाकितिक्रका-कृत्यस्थातिन नक्षरपायरकार निष्ठवरकृता कर पेक्का-कृत्यस्थाविद्याचर निर्मित्व । अश्वतिकः करातीः । क्षर्यस्थावर निर्मारकाम्बिक्तमाक्कातिमभूकाविक्षमः । कार्यस्थावर्यम्बद्धावरम् । वाद अर्थार्यम्बद्धाविक्षमः । कार्यस्थावरम् । विद्यारकामकाम्बद्धावरम् । कार्यस्थावर्यस्थावरम् । विद्यारकामकामिक्षावर्यस्थावरम्

নাপি প্রকাশ- প্রদানসংখ্যালাভারাৎ, র ড প্রভূমি अमेरे॰ दिल्लामुबराय, मानि सामहिकः समुहित्सम<del>ाका</del>-জমিলিভানার সমূরীক। ভথাতি, বথা কেশা সমসুয়াভিত-ইড়াবিমা কেলনমুদ্ধিলাট্ডিলামীৰ একাবিকাঞ্চ রালুমটাতি কথাৰ ভালুমনাড়ীপ্রয়েম্ম বর্মসতি জড়িঃ: তথ্যত অভিস্কান মার্টার তথ্য পশারেক এরমৈর্মুক্তাfafelececuifecuterentufa era sa festunititig ogene i un afer perving genfacufu Mentlife-ক্লেৰ ক্লাফ লশাহীতি চে**ন ম ডত্ৰ হতি।শবেন কুমাণ্টা**ন क्षांन्यात्रात्राम् वद्यात्रमः विश्वक्रिक्याः चनाना चन्त्रिक्ष मंद्रीत्व विकासम् भू वर्षन्तवस्थानुभागत्वाः स्थापः सम्बार वृद्धिः क्षानुष्ठवारः अभारतास्त्रिकारिकार्षः वर्षः वर्षाकामान-विषयकान्त्रिक प्रविद्यालको वयश्चरात्रास्य कृतकान्त्र व्यामविक्षामानि वर्षात्रमञ्जूनद्रीहर कालवन्य कर्नवर्ति बारका में कर काशुकृतिर बहुत ना नानि कामा नमुस्तिक स्-গ্রহার সুক্ষমানের লি সক্ষরক্ষমানাক্ষমান মালুটি-क्र निविक् ध्रा महर्गद क्ष्मवास्त्रकाशकारवर्भाक्षक क्षय द्वासावादवर्त्तिका विकर्णनाथः वास्त्रवद्यानकावातायः क कुमार काकश्वाकर वर्गीकका जुबनागर गामनाक्रमानुर তিয়াবং কৰিবটি ই কৃত্যস্থাৰ বুধ্যোগ্ৰ পদ্মানাক্ত कुर्च वर्षीत इथ्रत्वातीय नावः मृक्कवेदर्शातमा, क्यांकाशः Bear gut's part, auf sanut, meiniag ab-(वे आविषयाक्ष्या ज्ञानका विकि।

উল্পেখনে প্রবাদ্ধার। প্রবিধিককৃথিকি। আরিক আন্তেম্প্রবিক্ষালাক্তর হয় প্রক্রীকার্যক্রিকস্থাকর প্রকাশ অস্ত্রানীতি কাটাব্যঃ

· - Amelytaninkandalpt - miggerneter

## विचेष्यमात्रक्रियो ।

ূৰ্বট প্ৰতিভাষাৰি বুলবৃদানি প্ৰণঙৰতি। ক্ৰি

প্ততিকানাটের কৃষ্টারাং, পরকারত রাজক কৃষ্টারি-নিজাববারতার নিজার কর্মীনবর্তা হয়তে প্রকাশকরত নিজাবিনিকিয়াপ্তকার বিভারেক বিভিন্তারাং, কুলাই-পরিকাশকরক্ষিকারে । পরীক্ষাপ্তিতি ।

वस् कर्वाकार विकारवार सक्तीकहरूर विकासक क्ष श्चीमाणकाविकामम्बर्गाच । यहलाकिम दलक्ष दलक्षेत्र-क्ष प्रवाद विद्यान्त्रियुग्तम वृद्धान्त्र स्व बीट्रस्था स्थापुर्वा विश्व Masco emereria winis faque faquestunte. क्ष्मणकेकि वैक्तिका का नदावाः लक्ष्मणा दक्ष्मण कृष्टियान् fungative constitution of the state of the s count fagur fagur faguracein grautifu রিশ্বনার্থকারি বা পঞ্চীনমুখ্যপূর্ণসক্ষরি আক্রিক Greefe : fagentes, nin excelentation, union, union atous few ans fewer questownium few fe-কাৰ্থ কুলা ব্যৱহাৰৎ বু লকাৰং, পাটুৰাজ্যান্ত্ৰীৰন্তু, लकाशरकारवरकामा काशमा मा स्वाक्षमा । आश्च क्रिकेट क्षेत्रसम्बद्धः मध्दानावाधाना अञ्चेत्रहरू वदान्ति विकरः 🦈 वानि वृक्तिमध्यावातमाविकार प्रमुखिकार्गातमाः विश्वे affectentumen: aufmentell fom affentitet GREER Bereiten der Grieblig bigenter dente Gerten ছেতি ভর তিপুশ্বরণালেখনি হয়এন। পৃত্তিব্যাস্থাক্তর এট্রিজানুমজুগভাগে বিশিক্ষরভাগতভুগ্রসরকীয় বেশক া লালে পাধিতে, অউত্যক্তার লোকটিভ পরিবারক न्द्रोक्त्रन्त्रकारिय स्वामध्यात क्षुत्रका हात्रका des au de la faction de la companion de la com

्राह्म क्षाकार किर वर्षीक्षका ग्रावशकारीविक्**षा**-वेद्याकायम् जिल्लाकृष्णक्षात्रारशीवदिष्यभक्ष्यकृश्याकिदिशीः बादबन्धिः चारवा पर्वेकानवृश्विताः चिकेशवदावाताः গ্রীয়াবিকজাপড়িং। হিন্তীকের্বল কিং লাক্ষাব্যাক্ষাক दिनार बकुष्ट का को जी अका कार ता के लिए. भारता अवका का का का क्षक्षा भारत अवद्यानुकायोगायनि श्रद्धात्मावश्रामकारः। व विश्वीका अन्याची नाटकविकासात्र आचा क्रवारिक सारमार्टका, वक्रमास्कृतीमार जनातार मृत्रिकटती वावर क्रवाकृत्य-्विश्वाका नरावृत्रकोडे इन्। नगरव इत्रीवश्वारः विवयप्रिक**हरू** pacetferente s fattifere, aufemmen antempet. विकार मार्गि वर्ष वृष्टिः दवा ए जनाव्देर्कामान्यका न-ক্লামান জুবানাৎসৃত্তিৎপ্রক্রমণ রেয়াৎ সুক্রমন ক্লাবর্থা-वींगनाः याव वात्रनिकट्य जित्रन्यवनः कुरवीर्था क्षास्तिः लक्षी-**अप्रथानिक्षीयो राज माथिक। स्थानिकाला मुख्यावारिका** वृद्धकार्वत्रज्ञान्यको मु देशमध्य प्राताच्याकावाक विवृद्धकः - কুইবাপকে পানু পান বিচা কেন কাৰ্য্যকে। সত্ত বাসুক্ষাপ্ৰবাৰী)gerpar eifffe eine, ubin eigebonwbie ajunggut nameliamie : un metalletur faquures वी फिराइक व वावधामाद्वाकि त्रामः । (३ वृष्ट्वाक्रमाद्वाक्ष वृक्ष् पुष्टिकः कननाकार्याः, कनकारे प्रकाशायार्थवाद्यक्ष प्रका-वृक्तिनामाः विकृत्यक्षर्यकृति व्यक्तिकृतीयन।।कार्यापन By Maisty Gunnycht womie venfpering-अन्यदश्च कारकातादेशिक्षीवाक्षिकदशासिद्धाधनविकादशः नमध्यम् जिल्हा म चया नक्षेत्रमध्य क क्षत्राहि हस्य क्षत्राट्याक्ष्ममञ्जीवा मार्गायांत्र ८४५. मधारः, क्याप्ति काः श्रामुनवर पुरुष, पर्वार्धकर्मकरको मुक्तासर पुणकार 

ি ইয়ানাৎ ক্ষানাৎ কর্তাক্ষতে লিকভাষ্ট ক্ষানী-বিটি । তথানাৎ পর্তাক্ষরনারক্ষত আকাপে প্রকার্তি-ব্যাহারে স্মৃতিক্রের দক্ষা বোকনীছে। ক্ষেত্রক্ত ক্ষ্যুক্ত বৃত্তি, আকাশানালে পৃথাপুত্রনা উত্তরাক্ষৎপ্রান্ত কাষ্ট্রক প্রের ক্ষানারিকেশক্ষানালক্ষ্যুক্ত কর্তাহ্ব ক্ষয়েরিক্তর্কতা-বৃদ্ধি স্কার্তাক্ষরক্ষানালক্ষ্যাক্ষ্যাক্ষ্যিত ক্রিয়া ক্ষয়েরিকেশ বর্তীয় করা ভার্মিকার বজার্থীক্ষেত্র অপন্যান্তরার করেবলালন বিভিন্ত নার আর্থন প্রস্থান করেবলাল করেবলাল

व्यवस्त्वाद्यानं प्राप्ता क्ष्मीविकाद्यानवाष् । अस्ववाद्यानिकारं व्यवस्तात्र्यां । अस्य व्यवस्तात्र्यां । अस्य व्यवस्तात्र्यां । अस्य व्यवस्तात्र्यं । अस्य । अस्य व्यवस्तात्र्यं । अस्य

नहीवानार व्यवस्थितार कावेयाँव । व्यवस्थिताँव । व्यवस्थितां व्यवस्थितां व्यवस्थितां । व्यवस्थितां व्यवस्थितां । व्यवस्थितां व्यवस्थितां । व्यवस्थितां व्यवस्थितां व्यवस्थितां व्यवस्थितां व्यवस्थितां । व्यवस्थितां व्यवस्थितं व्यवस्थितं व्यवस्थितं । व्यवस्थितं व्यवस्थितं । व्यवस्थितं व्यवस्थितं । व्यवस्थित

पूर्वजन**ार क्रमेन के क्रिकार के क्रमान कर किए**या টু ম্বানুগ্রহা পঞ্চাল খুডালোক ছিল্ল বেংক এইছি ছিল वनि रक्षणाः कृषामाः रक्षणायमः आचारमानृतिमाकतान्तरेत् हान्य क्रमा क्रमण व्याक्षण ब्रह्म क्रांप दक्षण वा शहरबाल हरती : न्त्रोक्तिः, कृत्यादव ५ व्हर्रातः मदक्षाकृष्णक्रमाश्चरूपोः ऋ**वृद्धिः** । প্ৰতিয়া ক্লিবাৰদৰা বৰ্ষৰ আন্তেম প্ৰভন্ন চলে চল্লে চুক্ত । প্ৰত-विरुट कार्ट्याः नार्विरामा । इतिवासमाज्ञाः वा कृ प्रमुखनाकः नेवया कार-पटमा व्यवस्था वाद्यावाच । अहि स्वयमा वाद्या क्ष्मविक्षपुरार्थिक्षका वश्यक्षात्राज्ञ अञ्चलभारत वालाह entell unininfagigenigengimerinia ger mit-**पृत्ति**कृति भागकभागद्याल नका संस्थानाथः । - अक्रिया**ना**कः THE REPORT OF SHIP SHIPTING MINISTRAL Matenan: glantautmanuff mulfacenentafacetmi यूग्यमार्थने तो । जन्मा वज्ञाना वृत्त कृता वे श्रेत्रतक क प्राप्त के स्मान मा मुख्याकार राज्यात स्थान का हुन एक मार्ग्यका असी নব্যাপর্যোগ্যম শতা আংন : বহু প্রায়াকর্মন: পর্যার লা**র্যে** कामकार नकरोडर, श्रीकामाश्रीकामानववृत्रीनामहः विकासभुकाकका अवस्था । वड कार्य वृश्वाकारककृताः व्याकासामारा स्वाकत्वा व्याक्तिक वारता । geigntramtolite. duntife umtunfernteuring. maingriv : ub an da dararguete until artigit mier. But afe blummenidmentfelenari & क्षाच्यक्षित्व व वः अदिश्रामधीकृष्णभाष्य व्यासून शामिकेकस्थार । नगर्नभूजार्थान मुक्तार यथा सन्त्रस्थान हुकैर करा हुदाव्यक्षकाभाष क्रांक्रहांश महीहरा शरकीर्युः genipheit miente, mentingt care feitent कारते, ब्राह्मद्राका नार नक्ष्मकृत रंगः प्रकेकायस्य कृषः

লম প্রকৃতিতি। বাহুবাল প্রধান্য বৃত্তানাৎ পর্যাক্তমন্ত্র আবাপিকজ্ঞানার লগালনা নিরাকৃত্তমান নারেবিম্মানুত্র-ক্রোবশরাক্তাংগালীতি স্বধিত্তাৎ ক্রমাণ নিরাধ ক্রীর্থ পাত্যতাতিকবিতি।

অন্তালীভি। লাইপে।।

্ৰ্যসম্ভ্ৰীপতি হ'বছৰাকা সাপ্ৰেশানাত্। এছমান ছমীছি। চকাৰা পুৱাৰা গলপুৰা। উচাতে সম্ভূত-ছেত আবেশকাৰাক্তিবিমানমাকাক বৈশান্ত্ৰপতিত্ব ইব্যাবিদ্যালয়নীতি, পুৱাৰশ্ৰেষ্ঠ ইব্যাবিশ্বতিতিক্তি বিশ্বসম্ভ

स्य द्रश्याका । अधितदृष्टि । अधिवद्रश्याक्षित्रभूक्ष्य-विद्राप्तः । विद्यपद्गाविक विद्यादेश्याका । विद्यपद्गाविक स्थाविकाते, विश्वतिक पूर्वस्थाक सुक्रमतिक मुख्यान ।

উপভিত্তস্থা কাপ্ৰেক্ত মৃত্যু উপাত্ৰরপি কা**নায়।** আইলামেডি । আন্দাইৰ বিভাগতি ক্ষেত্ৰ**ত্তিভাত্তস্থা।** স্থানকাল্যাকৈ বিভাগতীয়েল্যাক।

্র এবং সংক্রিছ্লাংসুপরি চইচ্ছসায়োর্জালারস্থারিছ। বর্লাবিজ্ঞা ব্যক্তিভূলভদুপরিভয়োরাপ কথার ে এছক্ষা-জীবি ।

विश्विदेशस्य विद्यान्त । व्याप्त विद्यान । वि

আনাগৌরি। পৃত্তরৎ। এবেরি। হাজিলসচে।

পুনারবিধানের নার বিধান বিধান বিধান বাদ্যান বাদ্যান বাদ্যান বাদ্যানির বাদ্য

আনুলি প্রথমের। আনহিংক্তি। আরিলভান্ত্রকিন্তুইপুরামর্থীতি বাকসেনপুরুর। ইমারে বেক্সিন্-আনুকিন্তুইপুরামর্থীতি বাকসেনপুরুর। ইমারে বেক্সিন-আনুক্ষেত্রামর্থীতি প্রাথমেনের প্রায়ম্পন প্রতিবাহিক্তর
ক্ষিত্রামন্ত্রীতি বিভারমীতি ক্ষেত্রীতি ক্ষেত্রীতি ক্ষেত্রীতি বিভারমীতি ক্ষেত্রীতি ক্ষিত্রীতি ক্ষেত্রীতি ক্ষেত্রীতি ক্ষেত্রীতি ক্ষিত্রীতি ক্যানি ক্ষিত্রীতি ক্যানি ক্ষিত্রীতি ক্ষিত্রীতি ক্ষিত্রীতি ক্ষিত্রীতি ক্ষিত্রীতি ক্ষিত

. सुरम्भः वृक्तप्रध्याः वृक्ष्मपुनि मन्द्रशासभवनानुना वृक्षम्भः क्षावकामश्रामश्रामः। वाद्यविश्विष्यवयुक्तवात्रद्यस्य वान्यव्यक्ति নাতিপ্ৰসামীতি চেল, উল্লিখনভিন্ত ইন্ ইন্ডানহং ভালাই : ইক্সিবস্থিত কর্মানকর্ম কোচ্চার সাক্ষেত্র ব্যবস্থাসম সৃষ্টি-টুবাড়উড়ি চেড,উল্লিখসভিকর্মসাল্লাহগারলা**≤ সভার্**শটা विवय निवय: कथित महोश्वितमधिकदविवद्यावभावनविधि लहरूत्राक्षणाः । विद्यासम्बद्धाः सारमध्यक्षिताहाः মৃত্যুকার্টনবর্ত্ত ওলাবভাবে কশ্পকার্টারকারকা বি-ব্ৰেন নত্ত্ব: ল্যাক্থা চ ব্ৰেক্ত বিভিত্তিকি আৰু নি সভূ-वाजुनकाराबारळात्रमः । वडाकारवातः सङ्घरेषियाङ्ग्यः क्षानमा मक्षेत्रहाकृत्वानस्य मृत्यन्य मस्यित्वन्यकृत्वायमस्यः वकामञ्जातकः । तम्बारिन्द्रशास्त्रश्चरमणीत्रवरम् त्यवन्। বাছবিৰমানমুক্ত ভাৰত বিভিন্ন প্ৰামান্ত কৰু সমুখ্য कारवरित कामरक्रमध्याकृषिक्के विश्वव्य क्रामध्यित्वयः क्रय-वदीकि जाशास्त्रकृति ताम, व्यमुक्तिकृति वर्गकाविक ল্লামকুড়াভিত্তপ্ৰথমান। অসুষ্টাৰলাম কিভিন্নৰ ভাতত্তি (१४) काः पूर्वे मामक्षीमन्त्राप्तकरकाशासावाभिक्रकामस्विक-ब्लाक्षः क्षाप्ता किकिटन्डन्टइटक्काः। जीवनः टिक्स्बुक्के-कारकारक नावः कृष्ठि क्षत्रकारक अध्यविषय दश्य मुन्ननियुष् क्षि परकाकीनमा माने सक्ष्मामाने सक्ष्मा अकरमाज्ञान । क्षामान कुषा राषदा महर्रात क्यांति व्यार्गिका शत्क दारवद्याः গুৰুত্বট চলেত্ডাকিশ্ববাচাৎ প্ৰবাদ্যকাৰিবাৰভাৱী-लाक्षकः बदरावरिकाकृत्वया सम्बद्धानुकानवाध्यक्तानुः ইচন্ত্ৰসংক্ষাক্ষণৰ দুউৎ সাম্বভাষ্টৰ কৰ্মপুৰামংস্কৃতি gfegfute, uniquequagitioneie. fanuncia-ह्मादवालाचार, विकास क्रांत्रकृतशास्त्रकृत्यदक्षास्त्रकृत्यक्ष्यक्षा एक प्रकार क्षाप्रमानविकारायविकारायाचिकारायाचिकारकः । यक्ष ३ विकास

## " Projection of t

विकास स्विप्ताच्या । अस्य देशवाधिकातारक । -**स्वत** द्वापूर्य indialentitation treat meigermit de ents. auffen ereintert nitegermiegenfreuret fil-🌓 प्राम्बद्धान्य प्रामान क्षित्र । अपन्य मान प्राप्त, विषय व विवेशांका Buridigeniefe graber ertelent. gewante-বিষি প্রকাত প্রকাশপ্রকাশনের প্রকাশ এর জ্বাল**ন্ত** gen fenenanculigen ninachterputinen ninfichmene mber meterecentatungen erfennen mining व्यवस्थानस्यविष्टि दशस्य व पादयः क्षण्य करित्ववस्थानस्य कृत **व्यापटणकर विकिश्न अंदर्श अन्यान अन्यान अन्याद कालाओ,** अविविद्याचनत्कालि बोव्दकानायायकव्यतः अद्यो-क्षाकारक्रभाव दार करून हात । दे लागानुवाशिका क्लिब्ब्रहा Cuteline bie ber bet bet ber bie beit beit miningganantamining hindartie venter-Minamala migigaterfeigelonnigphagent i वट्डम् अन्त्रमाः प्राविद्यक् कर्णानाम् कर्णुक्रम् स्थावद्शासम्बद्धाः for wangen auts mart nauen na baut entere-प्रस्कृति भागकीय रममाध्याताम् श्रीः प्रशासूर सम्बद्धाः wefawiele. avaice yes coul evenimentes uffic, mietramer gole, aceineutamiaunburmitte dem maranites nummerinagen nimelpformren, minife parbingfanneinterprainte. mar ant & untilentantill eint macht. Maf-Alfa aces anderpressur naue are att Aup ger nebr. Arfmig tebfe : gienfe unent-वास्त्रिक्यक्ष नश्वकात्रात्र वेश्वित्रकृति वर्ष नवन्त्र ह्या द्वार्थ mark a teamaritaide aparte aferkante dif-

<sub>ধ</sub>ৰ্ম বিষয়েশমযোগলভয়াইভি প্ৰভিনভাগ**ে নাম**-মঞ ज्ञाचित्रीर्नरक्षक विदेश्यनका का वानवा क्षा करका वृत्ती লগড়েঃ - মহ বধনকুললভাতে উত্তি হাচ্য\,ভবাক্ষাহা:-वरकरमाञ्चला । बानुपनि वानाधनस्यस्य रहन महान्त्रः ক্ষালি ক্ষাৎ ব্যৱস্থার নিজ্জে ক্লোঃ বিষয়পাত্তি ইয়াল शे**९ महि द्यमार्श्य वाधायातकावाधाया<del>मधाविकाताहि</del>ः।** क्षेत्रक्र । अवन्यत्र कृष्णकाम् वृष्टिक्षकाम् वाक्ष्य वेदि द्याः, र्वाकृत, का कि रवकावास्त्रकृतकृत्रकावी कावरक बाक्तिले वंदा वृ रेनवंद्रिकि रेटवद्राः नार्थः क्रिक् गरि विद्यविद्याः क्ष्मपुष्पवाक्षप्रकृत्वा विषयामानुष्यक्षक्षका वृज्यविकिः হৰণত পঢ়িতাবছপদং বাহিনিত্ৰপি ভগ্ডাভাভাভিতেই व्यवपुर्व प्रवासकत्रकामध्यास्य । यः व वृत्रकाचनाध्यास्य वीवकामरक वेशि वाहार, बरनाश्चिवनवृक्तारम श्रीविक्यक-श्राकारायः अन् वरान्तिक्षित्रमः मृक्षान्यस्य स्वत्रवेति দ্বিতে কথা পুৰত্যিতকেবলালাকার ডা ফালোন করেবিটি क्षरेयरथ. पर वृ प्रभएमां रशित पाठपुराक्यां विक्रमध्ये स्थापन विकिता प्रकृतिविक्षं अद्योगसामामाम्याक समा लहिन्छक्-ইড়ি প্লিয়তে, ভব জু লয়াখনিয়কুটো ইল্লিয়ে নড়ি ভয়-এছি বস্ত্রাল্যাজগুড়াড়ড জবিশোরামারতের লাভ্রারামার বৃষ্ট্রা हरवामना वर्ती वा प्रवृत्ता मानुव र होना कार कर्ति देववयार প্রাথ, ভবাবরি প্রভাকতাবহারে বাকচবাবৃত্তিভিতারা টোডি ছিব৲। পরোজনারহারে ভূ বিশিউপক্ষিকারি-ধুলনিবস্থনা ভবর্তাকারংখীর ব্যৱস্থ সমূখিকতি বিষয়নারী श्राहरेमाय या मानुसार- वाम् के विश्वायमध्याम् अन्यासीति বিজ্। ওথাঃ বভাববাবাৎ আজা বুজাপাধিঃ কটকানি-रिकृतक्षेत्रक क्षानिक्ष्याच्या पूर्वपृत्रिक्यू कार्यन् वृत्तित्वपु नृत्य वृत्त्वान कर्यात्मम् वृत्तात् वृत्ताः कार्यान्त्रम्

কথা কাৰ বস্থানুমান্ত্ৰকলোলকানিকেশা কাৰ্ব বা পুষাকালকাপুৰলভিব্ৰহালিন্ত্ৰবিক্ষাক্ত্ৰকাশ্ত স্থা-পাল বাবেলাকিন্ত পুৰাবানস্থাৰ প্ৰিচ্চত্ৰ কাৰ্ব্য কা, বস্থাবিভিচ্নকৰ্মপান্তিনাগতিকাৰি অব্যাহ বিশ্ববিদ্যান্ত্ৰায়কোঃ স্বুদ্ধকাৰীয় ৷ অৱানি অব্যাহ-কুলোবানি প্ৰায়া

ৰ লগ্ৰনভাষ্টাৰং নাৰস্থলপাকিবলুলনংবছঞি ।

উক্তৎ প্রশাস্ত্রক। বনুপরিক্টরবান্তরক প্রথম ন্তুটাবেবানসুপ্রপালবভিঃ এলালিকার্ড্রা আর্লাকর বহু প্রাক্তনের পুরুষ। নগটাবোর্ড্রা পুরুষ।

কলিকমান : আভাবিদি।\*

ক্ষুত্ৰ ক্ষাত্ৰিয়াৰ স্থাপত ব্যক্তি। এবলিছি।
- অধুনা ক্ষাত্ৰীৰ স্থান স্থাপত ব্যক্তি বিশ্ব ক্ষাত্ৰী ক্যাত্ৰী ক্ষাত্ৰী ক

ক্ষাক্ষরীপ্রদর্শনাবাদের দুকাবিধীকাপ্রদন্যাথের বা প্রতাক্ত বেতালিবিকেও ভিন্তের ভারমান্তারও বির্দ্ধ বিষ্টুক্তিকুল্লভারত ভারমাত। আবিপ্রাকৃত্তীতি । ক্ কিল্লাক্ষক পুরুষ্টার্যা ইতি ব্যক্তীভারত।

কুত্বীরাধেকাথাৎ করিবৃদ্ধানুকাথানার ক্রমে প্র-লান্যকি। আধানাটারাশিনা। ব্যক্তিরেতি সুক্ষি-লাধ্যৎ, লোকে বি পুলিনটিউডিউৎ নাগানি থাজা-ক্রমাণি পুলেব্ সম্পত্তির প্রমঞ্জে কুর্মভ্যান লাক্ষ্যের প্রক্রীবিভাবঃ। পুলেস্টাইয়ালামৃথ-লাক্ষিঃ

्वकाष्ट्रवारः । प्राथाकर्षातः । कृषणशीव्यादकर्षः वस्त्रीकरणः

प्रशामि क्यादिश्रधानः साथः श्रीकेनसञ्जनकृत्यः कुर्वातः । भवात्राची काणियाः कारकरमध्यक्षपुनि नदस्य क्षणांनाविश्वरकाणांवर पुक्रेकार । मरेक करकबीमार दह-ভৌচনের পরিবভারত পরিবাদ্য প্রতিষ্ঠ করেওছে: नुक्रमः निरूप्तानां सकः अवस्माद्याच्यार्थरस्थानही-মর্বাসজারিতি করের বৃথি। ইর পুরুষ প্রসা লোকে আ-Min Mentellent a metangance ceca men-mice-THICH'S MAJERSIGENTER MERCHACHTSPHINT-ब्राट्स विकास विकृत नवनानि क्रम्परकरेन्द्र छि-ব্যাপ, সংকরণ প্রের: প্রাণ প্রেরণবিশ্বাৎ প্রেরণভূষ্য-बार-मर्बद्धानस्थार प्रवचनात्य कि मरकन्त्रः। ना व शीचित्र श्वास्त्रांन स्वर्व रहिन दश्चा निवृत्तिकाता ह कृष्टेर व्यवस्था প্ৰভাৱে পুনাৰে খড়গু হোপান্তিভাগু পুত্ৰৎ পৰিভালা वक्ष अमापनामुभगरविति मुकार्यकः चार्यकारकाः शास्त्रवशास्त्रवेति संवेतानिवादिताकः, वह क्यान-वृश्चिक्षणांविका इत्रवृत्तिकानुद्धाः। मृत्युव्यक् च्यावादिकान्यवादिकः myfa i

লোক্ষরকাশ, ভাকাতবিশেষাপাং বহুতকালাক।
কণ্যুন্দাকাত ব্যাহিকা কৌছবি ব্যাহন প্রাক্তিক। প্রক্রিকার কার্যারিকার প্রক্রিকার কার্যারিকার কার্যার

লেক্ট্রিক্ট্রের্ডানিক্ট্রের ক্রন্ত্রকশ্যাবার্থকের রাজ্যক্ষ আ ব্যবস্থান্য নির্ভিনী সংখ্যান্ত্রিক আরু ইপ্রিনার্ডের বার্যান্য ক্র্বের্ডান্ড্রেক্ট্রের্ডান্ড্রের্ডানিক ব্যবহা কু মান-প্রক্রের্ডানিক্ট্রেক্ট্রেক্ট্রের্ডান্ড্রের্ডানিক

भुन्धशानाक्षत्रात्मकपुर्वानववि । क्षश्राद्धिः कः anienquinimatis cetoni, apienuteuginutuf. Meinter Mien) afafafaeunteimmi-**তেম কৃশীভাবে নতীন্তি**কাৰাৎ বিশ্বভাষালালালি কৰিবৰে প্রকৃত্যার্থকার বাচ কমিল পুর্টে ক্রপানার প্রাধনবাস্থা স क्षाबादीवदिक्रवाबीश्विदावीदिः विश्वितानार देशकायप्-व्यक्तित्वमः सद्द्रभ्यामानुग्रिन्नमात्रम्भर रक्षणात्रमः स्कृतस क्रमाकावद्यमकः। किरेक्कांक्रम्कोरतः वैक्तिनानाः सञ्जूष क्षांकृष्ण १. शहरा कर का. विकोध्यक्ति मुनलब, अहमक **वा**, बायाः क्रमाद्यो कपुरानिद्यादमा क्रियामा द्याक्यामान ale, ale neutriguiceme mitte fantule cu-যাং প্রতিক্রিকারালাধারণবিষ্ঠত ব্যক্তিকালাধানাবি ব্যক্তির mie i a febler Bema matena enterningere. প্ৰক্ৰেম কৰে ক'ল্পীক্ৰিমানীক চুড়ীমেন্সি প্ৰে court econor, unabut marfantaments afu fem-प्रविक्तिकरेकरेक्द्रभिक्षिकः प्रतिहरः विवेदिक्षेत्रः । अक्षावर्ष्ण व्यक्षीमध्याः दक्षमाः करेगाथाकथाः कृताः वार्तवकृतामाः वक्त महीरेहरकाश्चर्मभारवद्य शालका वृ भूजाः महबेशाविfigulate minutes gwe, murmarini aleinette. বোর্টার্কির্বাক্তাবং প্রকোক্তিরির বার্তারাক্তরেও নামুটেড্-বানা অর্থানুসপতে। । ইছ র সক্ষান রপরভাষণ ল-Bride ave fogtalfe grafem gente euterfa-क्षांत्रकार्योक्त वादाः काशास्त्रानिनामस्यक क्षांकार-

चा-द्रांतिकप्रकाना-स्वादकारक द्रांतिरह्मुस्वर्णनाः । क्रांतुः कर्मेष्क द्वारताक्ष्यः द्वाकारविषयवेति द्वांतकारक्षकानुकवरे-कर्माः

বনআন্তর্থানিক বৃশাপ্তৃতি। ইত্যুক্তি। প্রাথমবাহনোহ বরজালেতি বাবং। মনলি সূতে বিলীনে প্রাথবাহনোহ বরজালেতি বাবং। মনলি সূতে বিলীনে প্রাথকর্মানাত্তিক জ্বানাত্ত্বাজ্যানিক সংপ্রতি পরেক্ত্রকর্মের প্রত্থানি বলা প্রাথমের ভাষানিতি করা পাল্লোপকরে প্রত্থানী কন্যাভানমুপার্থানিতি করা পাল্লোপকরে প্রত্থানি কন্যাভানমুপার্থানিত ক্যাপাল্লোকব্যুক্তা মনলৈ ক্রেন্সের প্রাথমের প্রত্তাল্লাক্রক আল্লোক্র ক্যাব্র মনলৈ ব্যুক্তানির ক্রেন্স্বার্থানিক্র আল্লোক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রিন্স্বার্থানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রিলানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক ক্রিল্লানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রেন্স্বার্থানিক্র ক্রিল্লানিক্র ক্রিল্লানে

লোগাচারক কলুখাপ্ততি। বৌশ্বপ্তিতি। মনোমধা-মন্ত্রচাহতাকর আছে। বিজ্ঞানস্থয় ক্ষণিকবিজ্ঞান ক্ষতি বৌশ্ববিজ্ঞানঃ।

ुर्विः कश्चिमिणांगणाः स्वरतात्रामुख्ययार् । अस्य-रवेशिः

মনস্থা কর্মাৎ লাও কিং বিভানেক রালছা হল।
লা কর্মপ্রপাবিভাল কর পূভানোচরজানিতাভিপ্রেড)
পূজিছাত। কর্মুলাবীরি। মনসং কর্মুজে সর্বেলিয়ালা
অবহিষ্টবর্মুলপ্র সর্বেলি রজেন বুলপ্র নামিবলালার, কর্মুলা
লাল নামিবলালালালা কর্মুলাবলার বিভানিক ব

वितृ र मधार बोरममाञ्चरकात र शार वृत्रीतारमधारकाति বহারের।র ক্লিকলাও ক্লিবেরিরানাসকলানুপ্রক্রো कानानी नोदयका बायका बद्धार हु र चार्ति मुद्देश भूके दुवेश स्था ৰীৰজ্ঞানি লিক্ষণারি ইমার্থত হার্থানপুন্ত প্রাঞ্ वादः समरकात चनानुरसे धनाचरनामृत्रनासः वेसक मान्तिन्द्रान्द्रतो । चनापृतिः धनकात्मादेवसम्बद्धने-अवाद । वासवासदान्यावासि वह श्रष्टावहर विवेशिकः

अविकादक रक्त्याकत्यावनि देशविष्यत्यांप्रकाति-बच्चे के कावियावन नीया कविकविद्याना । नकविकाविद्याना দেশারিপালনাপিডা বিশ্বনোরপার্ডভারত নির্মিত্ব-इतिमुखारकवानि कुममनिमयदक्षभार । शासाकद्शका-দিনা। প্রাথাকরতার্কিনাস্থান্থারীরতি বল্প ইতাগলং। व्यक्षीयः कविकतिस्थायायमध्यक्षिकद्ववः सुराह्मश्राक्षकः काविति सम्बद्ध तार्थाः ।

বিজ্ঞানমধানপাৰতে আছানি জাতিৎ প্ৰসাধনতি। चटनाक्ष्मचादक्षिः विश्वासकावासभवद्याक्ष्माक्षेत्रिः র চানক্ষণঃ প্রসাংখনি কাংপ্লার্ক্ষণের জ हरतालोक्त्रभे गुक्तविकि बाठा । असमनाविविकात् लाक-शिर्गानत्वाति रहन रिद्दा-नहिस्त्रवर्षे स्वितित्वाधाय, शक्ता अवक जावामारेवा चामणबदशाशामानिकाणि-श्रुविकारण निर्वेशिक । सम्बाह्यसम्बद्धाः स्वरूपमार्थायस्था স্থানক্ষণপ্ৰকৃষ্ণামন্ত্ৰনিতি দুউহাৎ।

जुन्देशी दुकाबीमार आमम्बन्द्रबन्धामीमामकारम আমডিতে আত্মনি সাহস্নামভাবনপ্রিক জানমাডেডি বুকিবার। বুঝানীনানিভি। সর্ক্ষামাভাবনা সুবুংখী माश्रीवनवकात मृद्विधाववित्रदेशवनगरेचग्राद्यका আরালাভানবাদ্য কির ধংবা-ক্রমতি দাবা।

আনুত্রধাত। অহমজাতি। অহমজোলান্ট্রেনা ১৩৭ লানী জানতানিত্যনুতবোপি আনাগুনোর্ট্রমানি-কানের জেশং পুরুষভার্তবাং।

প্রভাবর্কার। ভটুইভি: ভটুবুলাবোপহিষ্টে-ভন্মান্তেভি বসভীভাষ্যঃ।

আন্তানপথি হত্যমন্ত্ৰান্ত্ৰ আৰু আন্তান্ত্ৰণ আই কেপি সুহাবোধকপনিতি হাবিই, তত্ত মাধ্যমানিক প্ৰাংবতি, প্ৰভানখনইতি, প্ৰভানখনঃ প্ৰসাধনকল্প একোৱেৰ হলাৰৱসংখই বাহুক্তি। আনিক্ষম্বইত্যানক্ষ্ম-মুক্তান আনক্ষ্মিকারঃ প্ৰাহুক্তি। খ্যানক্ষ্মিকান-ক্ষ্মিকারিকারি প্রসাহ্মিকার্যান্ত্রিকারঃ।

বৃতিমার। সুবুজাবিতি। সুরুজৌ প্রকাশভিবে সুরুজিরলাভিতেতি পুরুমরবাপালিয়াপিতকা পরার-শোন ন্যাৎ, ন কলেল্লিকমনাৎ ব্যাপারেছি বেন ভা ভানাজানেরাপি ভংগরালগি লা।২, নাগাবিদ্যা প্রকাশি-কা সকলাৎ, পরিশেরানাইয়ত বোধাৎশা প্রকাশকীতি প্রকাশন্তাবিভিয়ে। ন বিভিন্তেভিয়মিভি প্রায়শা-রাছনোর সুবুজাবশেরবিজ্ঞানাভাজমাণি কম্পাতে ভা ভভাগ্রালালুরাাংশভারীতি ভারা।

মনু বৃদ্বাবেশাক নোজানাজান জপালং নামপুতির ইভ্যাপভাষনুভবানিনদেন প্রভাগতে । মাহিছি। অছভিতাপ্ত ন করার ভাসমানেশি বাং ন জানামীতানুশ্দংভ্রমিশ্বনা ভানার কর্মজ্ঞাপি হক্ষিকের জানে ভালতভ্রমিশ্বনা ভানার কর্মজ্ঞাপি হক্ষিকের জানে ভালতভ্রমিশ্বনার ক্রমিলার ক্রমিলার ভালতা। আফ্রমাল্ডভ্রমিশ্বনার ক্রমিলার ভালতা
ভ্রমিশ্বনার ক্রমিলার ভালতা
ভ্রমিশ্বনার ক্রমিলার ভালতা
ভ্রমিশ্বনিক আদিছি ভালতা

## 'विक्यस्मात्रतिनीः।

আয়াহিকনত দুখাপ্যতি। খপরোনৌরইছি। 'উক্-আহরণাত্তক- রগৎ অন্যে সূটেঃ প্রাক্তালেচ্চুর্থ শূল্য-রের খানীৎ ইতি নৌরাভিপ্রাধেণ করেরখঃ।

मुक्तिसर । मुनुवीदिवि ।

কাৰেৰ দাৰ্থবোপন্যালেন মুগলতি। আহমিটি। আনঃ পুনামালা নগাভাবরপোন সুবাংবাধান্তকীতি ভাষঃ।

্ৰাৰ্য প্ৰকাশ কৰিবলৈ স্বৰ্থক কৰিবলৈ প্ৰায়ণ পুন-বিশ্বসায়ক ভে । একেনামিডি ।

ক্ষ ভাষে পৃথাপুৰ্বালিগত বৃষ্টো ক্ষানিকত ক পৃথিব বিভি পুৰালিপুনাপৰিকালনাৰ ক্ষা হৈছে ব বাহি-কিং সক্ষীকৃষ্টিপাৰ। এইবলিছি।

वर्षे कर्षः वावकृतियानम्भगादिन भृवाविवाः भृवान् वर्षाम् वर्य